श्रावण कृष्ण पक्ष-12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 36 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
10 अगस्त 2026 सोमवार

आज का मौसम
25.9 अधिकतम
23.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

# दोपहर मेट्रो

Page-7

# पानी, प्रांत, इमरान और सत्ता... पाकिस्तान में एक साथ खुलते सभी मोर्चे

## मियां आसिम मुनीर की भूमिका पहले से अधिक राजनीतिक

*पाकिस्तान में सेना लंबे समय से केवल सीमा की रक्षा करने वाली संस्था नहीं रही। वह राजनीतिक सत्ता के संतुलन की निर्णायक शक्ति भी रही है। आज आसिम मुनीर की भूमिका पहले से अधिक राजनीतिक दिखाई देती है और उनकी राजनीतिक भूमिका को लेकर पाकिस्तान के भीतर से भी आलोचना सामने आ रही है। जुलाई में मौलाना फजलुर रहमान ने उन्हें चुनौती दी कि यदि वे राजनीति करना चाहते हैं तो वर्दी उतारकर चुनाव मैदान में आएं। यह सेना में विद्रोह का प्रमाण नहीं है। लेकिन यह उस राजनीतिक वातावरण का संकेत जरूर है जिसमें सेना की भूमिका पर सवाल पहले से अधिक खुलकर उठ रहे हैं। यही पाकिस्तान की वास्तविक चिंता है। सरकार अस्थिर हो सकती है। विपक्ष आक्रामक हो सकता है। PPP अपना गणित बदल सकती है। प्रांतों का असंतोष बढ़ सकता है। और सेना की राजनीतिक भूमिका पर सवाल गहरे हो सकते हैं। इनमें से कोई एक संकट भी पाकिस्तान के लिए गंभीर है। लेकिन यदि कई संकट एक साथ जुड़ जाएं तो स्थिति बिल्कुल अलग हो जाती है। मक्का में पाकिस्तान को बाहरी सुरक्षा का आश्वासन मिला है। लेकिन पाकिस्तान के भीतर उठते सवालों के लिए कोई मक्का समझौता नहीं है। और शायद यही आज का सबसे बड़ा सवाल है - क्या पाकिस्तान के पास अपने भीतर के संकट को संभालने की राजनीतिक क्षमता अभी बची है?*

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

मक्का समझौता
पार्ट -2

पाकिस्तान की सबसे बड़ी समस्या शायद यह नहीं है कि उसके बाहर कितने दुश्मन हैं। समस्या यह है कि उसके भीतर कितने मोर्चे एक साथ खुल रहे हैं।बलूचिस्तान में अलगाववादी हिंसा और राजनीतिक असंतोष, खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवाद, पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में बेचैनी और गिलगित-बाल्टिस्तान में राजनीतिक टकराव। इन सबको यदि एक ही राजनीतिक नक्शे पर रखकर देखा जाए तो पाकिस्तान का संघीय ढांचा कई दिशाओं से दबाव में दिखाई देता है।

लेकिन पाकिस्तान के लिए असली खतरा तब पैदा होगा जब यह असंतोष पंजाब और सिंध के आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी व्यापक असुरक्षा में बदलने लगे। क्योंकि पाकिस्तान की ताकत का बड़ा हिस्सा इन्हीं प्रांतों से आता है। सीमांत में असंतोष राज्य के लिए सुरक्षा चुनौती है; heartland में असंतोष राज्य की स्थिरता की चुनौती बन जाता है। और इसके साथ जुड़ रहा है पानी। भारत-पाकिस्तान के बीच सिंधु जल व्यवस्था अब केवल दो देशों के बीच पानी के बंटवारे का विषय नहीं रही। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित किए जाने से यह मुद्दा सीधे राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक दबाव के क्षेत्र में आ गया। पाकिस्तान इसे अपने अस्तित्व और कृषि अर्थव्यवस्था से जोड़कर देखता है।

अब यदि कमजोर मानसून और संभावित अल नीनो परिस्थितियां भी जुड़ती हैं तो पाकिस्तान की चिंता और बढ़ सकती है। भारत के 2026 मानसून पूर्वानुमान में दीर्घकालिक औसत की लगभग 90 प्रतिशत वर्षा का अनुमान और अल नीनो परिस्थितियों के विकसित होने की संभावना जताई गई थी। अल नीनो का अर्थ अपने आप सूखा नहीं है और भारत में कम वर्षा का अर्थ अपने आप पाकिस्तान को कम पानी मिलना भी नहीं है। लेकिन यदि कमजोर मानसून, जलवायु दबाव और भारत-पाकिस्तान जल विवाद एक साथ आते हैं तो पाकिस्तान के लिए जोखिम निश्चित रूप से बढ़ सकता है।

**और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में पानी का अर्थ सिर्फ पानी नहीं है...**

पंजाब और सिंध की कृषि प्रभावित होगी तो गेहूं और दूसरी फसलों का उत्पादन प्रभावित होगा। उत्पादन घटेगा तो खाद्य कीमतें बढ़ेंगी। खाद्य महंगाई बढ़ेगी तो ग्रामीण असंतोष बढ़ेगा। आयात की जरूरत बढ़ेगी तो पहले से दबाव झेल रही अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ेगा। इस तरह पानी कृषि से अर्थव्यवस्था,अर्थव्यवस्था से महंगाई, महंगाई से राजनीति और राजनीति से सामाजिक असंतोष तक पहुंच सकता है। इसलिए पाकिस्तान में पानी आने वाले समय में केवल संसाधन नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का प्रश्न बन सकता है।

**और तभी राजनीति इस पूरे संकट में प्रवेश करती है...**

इमरान खान तीन साल से जेल में हैं और उनकी रिहाई की मांग फिर से राजनीतिक आंदोलन का रूप ले रही है। 5 अगस्त को उनके कारावास के तीन वर्ष पूरे होने पर पीटीआई और उसके समर्थकों ने देशभर में प्रदर्शन किए। पेशावर में आयोजित एक सभा में 27 सितंबर की समयसीमा का भी आह्वान सामने आया है।

यदि सितंबर तक यह दबाव केवल राजनीतिक सभा और विरोध तक सीमित नहीं रहता, बल्कि व्यापक जनआंदोलन में बदलता है तो शहबाज शरीफ सरकार और सेना दोनों के सामने चुनौती बढ़ सकती है। दूसरी तरफ बिलावल भुट्टो और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का रुख भी ध्यान देने योग्य है। पीपीपी सरकार की सहयोगी है, लेकिन वह लगातार यह संकेत देती रही है कि उसके समर्थन के बिना संघीय सरकार के लिए महत्वपूर्ण विधायी और राजनीतिक काम आसान नहीं हैं। बिलावल ने मई में साफ कहा था कि संवैधानिक संशोधनों और बजट जैसे महत्वपूर्ण मामलों में PPP की भूमिका निर्णायक है। जून में भी उन्होंने सरकार के कुछ मंत्रियों के रवैये पर सार्वजनिक आपत्ति जताई।

यह अभी सरकार से अलग होने का संकेत नहीं है। लेकिन राजनीति में कभी-कभी साझेदारी से ज्यादा महत्वपूर्ण यह होता है कि सहयोगी किस समय अपने हितों को अलग से देखना शुरू कर देता है। यदि PPP को यह लगने लगे कि PML-N के साथ सत्ता में बने रहने की कीमत उसके अपने राजनीतिक भविष्य को चुकानी पड़ रही है, तो पाकिस्तान का मौजूदा सत्ता-संतुलन तेजी से बदल सकता है। PTI का दबाव दूसरी तरफ से है। और सेना इस पूरे खेल के बीच में है।

## न्यूज विंडो

### विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन कार्यवाही 2 बजे तक स्थगित

**नई दिल्ली।** विपक्षी सांसदों ने आज भी संसद परिसर में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा समेत अन्य विपक्षी सांसद अमित शाह जवाब दो के पोस्टर लेकर आए और शाह के खिलाफ नारेबाजी की। विपक्ष छात्र प्रदर्शनकारियों पर पुलिस एक्शन को लेकर संसद में गृह मंत्री अमित शाह के बयान देने की मांग कर रहा है। प्रियंका ने कहा कि जब तक गृह मंत्री संसद में बयान नहीं देते, तब तक गतिरोध जारी रहेगा। विपक्ष का हंगामा सदन के अंदर भी जारी रहा। हंगामे के कारण दोनों सदनों की कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक फिर से स्थगित कर दी गई।

### सऊदी अरब में भीषण आग, 16 बांग्लादेशी मजदूरों की मौत

**रियाद।** सऊदी अरब के रियाद स्थित मूसा सनैया इलाके में एक सोफा कारखाने में लगी भीषण आग में 16 बांग्लादेशी नागरिकों की मौत हो गई है। आज बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की पुष्टि करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की। मंत्रालय ने इस घटना पर एक आधिकारिक बयान जारी कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इसके साथ ही, नुकसान की इस कठिन घड़ी में मृतकों के परिवारों को पूरे समर्थन और एकजुटता का आश्वासन दिया है।

### ए आर रहमान के बेटे अमीन का हुआ एक्सीडेंट, बाल-बाल बचे

**मुंबई।** मशहूर संगीतकार एआर रहमान के बेटे और सिंगर एआर अमीन को लेकर एक चिंताजनक खबर सामने आई है। चेन्नई में उनकी कार एक दूसरी गाड़ी से टकरा गई। हादसा शहर के गिंडी इलाके में काठीपारा फ्लाईओवर के पास हुआ। राहत की बात यह है कि इस दुर्घटना में एआर अमीन और उनके साथ मौजूद दोस्त को गंभीर चोट नहीं आई। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर भेज दिया गया।

## भोपाल में मूसलाधार... अगले चार दिन भी अच्छी बारिश के आसार

# 24 घंटे में 7 इंच... स्कूलों की छुट्टी

### निचले इलाके पूरी तरह जलमग्न
### ब्यावरा में 25 गांवों का संपर्क टूटा
### सीहोर में उफनते नाले के बीच अस्पताल पहुंची गर्भवती महिला

**भोपाल, दोपहर मेट्रो**

लम्बे समय से अच्छी बारिश का इंतज़ार कर रहे भोपाल को मानसून की भारी बारिश ने सराबोर कर दिया। रविवार सुबह से शाम तक रिमझिम बारिश होती रही लेकिन देर रात से मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। रात भर की झमाझम का सिलसिला आज सुबह 10 बजे थमा। मौसम विभाग के अनुसार 24 घंटे में करीब 7 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई जो इस मानसूनी सीजन की सबसे ज्यादा रही। एक और आंकड़ा बताता है कि अब तक नौ बार ही ऐसा हुआ है जब इतना पानी एक दिन में बरसा। बारिश के हाल देखते हुए राजधानी के स्कूलों में आज छुट्टी घोषित कर दी गई। अगले चार दिन भी अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है।

मध्य प्रदेश में बारिश का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव होने से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज बारिश हो रही है। पिछले 24 घंटे में भोपाल में 7 इंच के अलावा नर्मदापुरम में 5, रायसेन में 4.9, राजगढ़-शाजापुर में 4.5 और सीहोर में 4 इंच बारिश दर्ज की गई। भोपाल के कई इलाकों में जलभराव के साथ डैम और जलस्रोतों का जलस्तर भी बढ़ा है। कई जिलों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। सीहोर में कई रास्ते बंद हैं और मकानों में पानी भर गया है। एक गर्भवती महिला को उफनते नाले के बीच अस्पताल पहुंचाया गया। ब्यावरा में रेलवे अंडरपास में पानी भरने से 25 गांवों का संपर्क टूट गया।

भोपाल से बैरसिया की ओर जाने वाले रोड पर भरा पानी। **इनसेट :** पुलिस हाउसिंग कॉलोनी में जलभराव।

शाजापुर, विदिशा, अकोदिया, सलसलाई, रायसेन और अन्य इलाकों में भी जलभराव से परेशानी बढ़ी है। कई घरों, दुकानों और सरकारी भवनों में पानी घुसा है। मंत्री विश्वास सारंग ने जलभराव वाले इलाकों का दौरा कर राहत सामग्री और नाले-नालियों की सफाई के निर्देश दिए हैं। बारिश से जहां लोगों की मुश्किलें बढ़ी हैं, वहीं किसानों को फसलों के लिए राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम एक्सपर्ट शैलेंद्र कुमार नायक ने बताया कि वर्तमान में लो प्रेशर एरिया के बाद मानसूनी गतिविधि बढ़ी है। हालांकि, तेज बारिश का दौर दो दिन ही रहेगा। 11 अगस्त के आसपास उत्तर बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश तट के पास नया साइक्लोनिक सकुर्लेशन (चक्रवात) बनने की संभावना है। इसके प्रभाव से 13 अगस्त को नया लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है।

### पुल पर पानी भोपाल-बैरसिया मार्ग बंद

भोपाल-बैरसिया मार्ग पर ईंटखेड़ी पुल के ऊपर पानी आने से आवागमन रोका गया है। बैरसिया क्षेत्र में कई नदियां और नाले उफान पर हैं, जबकि मंडला में नर्मदा का जलस्तर घटने के बाद भी छोटा पुल डूबा हुआ है जगदीशपुर में पारुआ नाला उफान पर आ गया। इससे रास्ता बंद हो गया। आसपास की कॉलोनियों में पानी भरने से पूरा इलाका तालाब जैसा नजर आ रहा है। भोपाल के अर्जुनखेड़ी, खेजड़ाघाट-ललरिया समेत आसपास के गांवों का रास्ता बैरसिया रोड से जुड़ता है। रास्ते में बाहा नदी का रपटा है, जिसके ऊपर सोमवार को 7 फीट पानी बहने से रास्ता बंद हो गया। मौके पर पहुंचे जिला पंचायत सदस्य विनय सिंह मेहर ने वीडियो जारी कर लोगों की परेशानी बताई।

### कांवड़ यात्रा में शामिल हुए सीएम मोहन यादव

**जबलपुर।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज जबलपुर पहुंचे और रांझी में आयोजित 'संस्कार कांवड़ यात्रा 2026' में शामिल हुए। श्रावण मास के अवसर पर आयोजित यात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री ने भगवान शिव का पूजन कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और जनकल्याण की कामना की।

### रांची में छात्रों का मार्च, बैरिकेडिंग पर चढ़े

**रांची।** झारखंड के रांची में PSC-SSC में धांधली के खिलाफ हजारों की संख्या में छात्र विधानसभा घेरने आगे बढ़ रहे हैं। छात्र विधानसभा जाने वाली रोड पर पहुंच गए हैं। कंटीले तार वाली बैरिकेडिंग पर चढ़ गए हैं। इन्हें रोकने पुलिस ने वाटर केनन का प्रयोग किया। भूख हड़ताल कर रहे देवेंद्रनाथ महतो एंबुलेंस से शामिल हुए। इस बीच भाजपा विधायक भी छात्रों के समर्थन में CM हाउस के सामने धरने पर बैठे, जिन्हें बाद में पुलिस ने वहां से हटा दिया। रविवार रात से ही 5000 से ज्यादा छात्र जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में जमा हो गए थे।

### स्टेट एलाइड एंड हेल्थकेयर काउंसिल में नियुक्त अध्यक्ष ने कार्यभार संभाला

**खबर का असर**

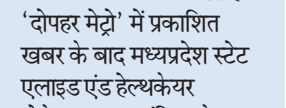
मोदी के हेल्थ विजन पर मध्यप्रदेश सरकार की अफसरशाही का ग्रहण !

प्रकाशित खबर

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स के नियमन की दिशा में लंबे समय से चल रहे प्रयासों को अब गति मिली है। 'दोपहर मेट्रो' में प्रकाशित खबर के बाद मध्यप्रदेश स्टेट एलाइड एंड हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स काउंसिल के अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण कर लिया है। परिषद के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति एवं पुनर्गठन संबंधी सरकारी आदेश भी जारी किया जा चुका है।

यह कदम एलाइड हेल्थकेयर नियामक व्यवस्था को सक्रिय करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस कानून का उद्देश्य इस पेशे में शिक्षा, प्रशिक्षण, पंजीयन और स्वास्थ्य सेवाओं के मानकों को व्यवस्थित एवं विनियमित करना है। अधिनियम की धारा 22 में प्रत्येक राज्य में काउंसिल के गठन का प्रावधान है। लेकिन मध्यप्रदेश में अध्यक्ष के न होने से काम को गति नहीं मिल रही है। खबर प्रकाशन के बाद डॉ डी विजय कुमार को पद सौंपा गया है। हालांकि, वास्तविक बदलाव इस बात पर निर्भर करेगा कि नई परिषद एनसीएएचपी एक्ट में निर्धारित जिम्मेदारियों को कितनी प्रभावी ढंग से लागू करती है।

## आज का कार्टून

# सिर्फ हंगामा खड़ा करना ही मकसद है या शिक्षा की सूरत भी बदलनी है?

*छात्र किसी पार्टी के वोट बैंक नहीं: दुष्यंत कुमार की पंक्तियां याद आती हैं - 'सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं, मेरी कोशिश है कि सूरत बदलनी चाहिए।' राहुल गांधी की राजनीति इस कसौटी पर कहां खड़ी होती है? यदि उद्देश्य वास्तव में शिक्षा व्यवस्था सुधारना है तो झारखंड भी उतना ही महत्वपूर्ण होना चाहिए जितना दिल्ली, कोटा या प्रयागराज। छात्र किसी पार्टी के वोट बैंक नहीं हैं। वे देश का भविष्य हैं। इसलिए उन्हें लेकर राजनीति करने वालों की पहली कसौटी यही होनी चाहिए कि वे हर सरकार से एक ही सवाल पूछें - परीक्षा निष्पक्ष क्यों नहीं हो सकती? राहुल गांधी यदि सचमुच शिक्षा व्यवस्था की सूरत बदलना चाहते हैं तो उन्हें रांची जाना चाहिए, छात्रों के बीच बैठना चाहिए और अपनी ही सहयोगी सरकार से सवाल पूछने का साहस दिखाना चाहिए। क्योंकि हंगामा खड़ा करना आसान है, लेकिन सत्ता की सुविधा के विरुद्ध खड़े होकर सूरत बदलने की कोशिश करना ही असली परीक्षा है।*

कहना जरूरी है

अनिल शर्मा

राजनीति में विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण यह सवाल भी है कि विरोध का पैमाना क्या राजनीतिक सुविधा से तय होगा? इन दिनों यह सवाल कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से पूछा जाना चाहिए। दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन को उनका सक्रिय समर्थन , प्रधानमंत्री आवास तक मार्च और छात्रों के पक्ष में संसद से सड़क तक आवाज उठाने के बाद अब झारखंड के छात्रों का आंदोलन इस सवाल को और धार देता है - क्या छात्रों की पीड़ा का महत्व इस बात से तय होगा कि उस राज्य में किस दल की सरकार है?

झारखंड में यह कोई मामूली विवाद नहीं है। जेपीएससी और जेएसएससी की परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर हजारों अभ्यर्थी सड़कों पर हैं। अब जबकि सरकार छात्रों की 95 फ़ीसदी मांगें मान लेने का दावा कर रही है, छात्र विधानसभा मार्च के लिए निकले हैं। उन्हें रोकने के लिए प्रशासन को निषेधाज्ञा और व्यापक सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ रही है। मामले की गंभीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि झारखंड हाईकोर्ट के एक फैसले में पूर्व की परीक्षा में पेपर लीक और नकल से जुड़ी घटनाओं का उल्लेख किया गया था। अदालत के सामने यह तथ्य भी रखा गया कि कुछ अभ्यर्थियों को परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र उपलब्ध होने की जानकारी थी। हालिया विवाद में जेपीएससी अध्यक्ष एल. खियांगते के इस्तीफे ने भी सवालों को और गंभीर बनाया है।

ऐसे समय में देशव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान चलाने वाले राहुल गांधी का रांची जाकर आंदोलनरत अभ्यर्थियों से संवाद न करना स्वाभाविक रूप से सवाल खड़े करता है। जून में कोटा से शुरू किए गए इस अभियान का फोकस ही पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी और शिक्षा व्यवस्था की समस्याएं थीं। फिर झारखंड इस अभियान के दायरे से बाहर क्यों दिखा? यह सवाल इसलिए और महत्वपूर्ण है क्योंकि दिल्ली में राहुल गांधी के लिए सरकार को कठघरे में खड़ा करना राजनीतिक रूप से आसान था। लेकिन झारखंड में कांग्रेस सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। क्या यही फर्क राहुल गांधी के रुख में भी दिखाई दे रहा है?

यदि परीक्षा में गड़बड़ी भाजपा शासित राज्य में हो तो वह राष्ट्रीय मुद्दा है और कांग्रेस शासित या कांग्रेस समर्थित सरकार वाले राज्य में हो तो वह केवल राज्य का विषय। ऐसा दोहरा मापदंड उस युवा पीढ़ी के साथ अन्याय है, जो वर्षों की मेहनत, फीस और परिवार की उम्मीदों के बाद एक परीक्षा के भरोसे अपना भविष्य तय करती है।

### भोपाल रेलवे स्टेशन से नादरा बस स्टैंड के बीच जमीन के से अंदर गुजरेगी मेट्रो

# दो टीबीएम मशीनों ने जमीन के अंदर बना दी 260 मीटर सुरंग

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मेट्रो के काम में तेजी आई है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में बेहतर मेट्रो कनेक्टिविटी और ट्रैफिक दबाव को कम करने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन से नादरा बस स्टैंड के बीच अंडरग्राउंड टनल बनाए जा रहे हैं। इस अंडरग्राउंड रूट पर दो टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) 260 मीटर का सुरंग बना दिया है। मेट्रो अफसरों की माने तो डेढ़ से दो साल में अंडरग्राउंड रूट का काम पूरा हो जाएगा। अंडरग्राउंड टनल का निर्माण दो चरणों में किया जा रहा है। पहले चरण में जमीन से 60 फीट नीचे दोनों टीबीएम भोपाल रेलवे स्टेशन से ऐशबाग की ओर आगे बढ़ रही हैं। पहली मशीन ने 160 मीटर का सुरंग बना दिया, वहीं दूसरी मशीन 100 मीटर सुरंग बना चुकी है।

सुरंग में स्थायी प्री-कॉस्ट आरसीसी रिंग भी बनाई जा रही है। यह पहला मौका है, जब प्रदेश में टनल बनाने दो टनल बोरिंग मशीनों को एक साथ उतारा है। सुरंग ऐशबाग से सिंधी कॉलोनी के बीच बन रही है। यह भोपाल स्टेशन और नादरा बस स्टैंड को जोड़ेगी। इस कॉरिडोर में भोपाल और नादरा दो अंडरग्राउंड स्टेशन की लंबाई 180-180 मीटर होगी। सुरंग 3.39 किमी तक लंबी होगी। इसके बाद बड़ा बाग के पास नादरा स्टेशन के आगे 143 मीटर स्लोप के जरिए मेट्रो फिर जमीन के ऊपर आ जाएगी।

## दो मशीनें ऐसे कर रही काम

- टीबीएस 'दुर्गावती' 24 मीटर गहराई में काम कर रही।
- 3.39 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण करेगी।
- दो अंडरग्राउंड स्टेशन : भोपाल स्टेशन व नादरा को जोड़ेगी।
- 7 मीटर तक अस्थायी सुरंग।
- 3.3 मीटर मोटी स्थायी सुरंग होगी।

## यहां बढ़ी रफ्तार

एम्स से करोंद चौराहे तक ऑरेंज लाइन का काम चल रहा है। सुभाषनगर से एम्स के बीच 6 किमी लंबा प्रायोरिटी कॉरिडोर है। जहां पर मेट्रो चल रही है। इसी लाइन के सेकंड फेज यानी, सुभाषनगर से करोंद के बीच काम चल रहा है। यहां पर मेट्रो अंडरग्राउंड भी गुजरेगी।

### चालान पेश करने से पहले सबूत पुख्ता करने की कवायद

# पूर्व आरक्षक सौरभ का दुबई में 150 करोड़ का विला है या नहीं, फिर जांचेगी लोकायुक्त

भोपाल। दोपहर मेट्रो

18 महीने की न्यायिक हिरासत में रहने के बाद महज 6 दिन पहले 4 अगस्त को जेल से निकले परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा की मुश्किलें फिर बढ़ने वाली हैं। उसकी दुबई की संपत्ति का मामला फिर जांच एजेंसियों के रडार पर आ गया है। 100 करोड़ रुपए से अधिक की कथित बेहिसाब संपत्ति के मामले में लोकायुक्त पुलिस दुबई में उसकी संपत्ति होने के दावे की दोबारा जांच करेगी। कोर्ट में चालान पेश करने से पहले लोकायुक्त पुलिस सौरभ के नाम के साथ उसके कथित बेनामी नेटवर्क से जुड़ी संपत्तियों की भी जांच कर रही है। सौरभ की जांच करने वाले लोकायुक्त पुलिस के अफसर ने दावा किया था कि दुबई में सौरभ के नाम पर एमआर ग्रुप से खरीदा करीब 150 करोड़ रुपए का विला है। हालांकि, सौरभ और उसके करीबियों के ठिकानों पर हुई छापेमारी में इससे जुड़ा दस्तावेज नहीं मिला था। लोकायुक्त इस दावे को पूरी तरह खारिज करने के बजाय इसकी दोबारा पुष्टि करना चाहता है।

## एमआर ग्रुप से मांगेंगे संपत्ति की जानकारी

लोकायुक्त पुलिस दुबई के एमआर ग्रुप को दोबारा पत्र भेजकर पता लगाएगी कि सौरभ की काली कमाई को प्रॉपर्टी में लगाने में शामिल 15 संदिग्धों में से किसी ने एमआर ग्रुप से दुबई में प्रापर्टी खरीदी है या नहीं। पहले पता चला था कि सौरभ का दुबई आना-जाना रहा है। 19 दिसंबर 2024 को लोकायुक्त ने जब सौरभ के ठिकानों पर छापे मारे थे, तब पत्नी के साथ दुबई में था।

## कार से मिला था 52 किलो सोना, तब खुला मामला

सौरभ प्रकरण में सबसे पहले आयकर विभाग ने भोपाल के मेंडोरी गांव से एक लावारिस कार से 52 किलो सोना और 11.60 करोड़ रुपए नकद बरामद किए थे। यह कार सौरभ के दोस्त व कारोबारी सहयोगी चेतन गौर के नाम पर थी। बाद में लोकायुक्त, ईडी ने एंट्री की।

### 30 जुलाई को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने तीन समाप्त में कार्रवाई का दिया था आदेश

# एनजीटी ने दिए 21 दिन, आधा समय बीता बड़े तालाब से कब्जे हटाने की फाइल पड़ी ठंडी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

शहर के रिहायशी इलाकों में कमर्शियल एक्टिविटी पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के मामला गरमाया। कार्रवाई के लिए नगर निगम हरकत में आ गया। नए सिरे से कमर्शियल एक्टिविटी करने वालों को नोटिस थमाने का काम शुरू कर दिया। इस बीच बड़ा तालाब (भोज वेटलैंड) के एफटीएल से 50 मीटर दायरे और बफर जोन में बचे 72 अतिक्रमण हटाने का काम फिलहाल ठंडे बस्ते में चला गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) प्रशासन को 30 जुलाई को ही कार्रवाई के लिए तीन सप्ताह की अंतिम मोहलत दी। करीब 21 दिनों की मिली मोहलत में से करीब 11 दिन यानी, आधा समय बीत चुका है। अब तक नगर निगम के जिम्मेदारों ने इस ओर झांका तक नहीं। हैरत यह है कि ट्रिब्यूनल ने स्पष्ट किया कि तय समय में कार्रवाई न होने पर एसडीएम और तहसीलदार व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। भोज वेटलैंड संरक्षण के तहत कलियासोत और केरवा जलाशय का वैज्ञानिक सीमांकन कराने के भी निर्देश दिए। लेकिन मामला अधर में ही है।

दरअसल, 7 गांवों के सर्वे में बड़े तालाब के 50 मीटर बफर जोन में 117 अतिक्रमण मिले थे। इनमें से 72 पर अब भी कार्रवाई बाकी है। इनमें ज्यादातर रसूखदारों के हैं। याचिकाकर्ता राशिद नूर खान की याचिका में साफ है कि वेटलैंड और एफटीएल क्षेत्र में लगातार नए अतिक्रमण हो रहे हैं। इतना ही नहीं, पुराने आदेशों का प्रभावी पालन नहीं किया गया।

## यह भी चिंता..पानी की गुणवत्ता हो रही खराब

**बड़ा तालाब**, कलियासोत और केरवा का वैज्ञानिक सीमांकन पूरा न होने से स्थिति अब तक साफ नहीं हुई है। इस कब्जे के साथ ही प्रदूषण भी चिंता का बड़ा कारण है। भोज वेटलैंड के आसपास खेती में कीटनाशकों का इस्तेमाल हो रहा है। इससे जल प्रदूषण बढ़ रहा है। बड़ा तालाब शहर की जीवनरेखा है। यहां प्रदूषण का बढ़ना सीधे पेयजल की गुणवत्ता पर असर डालता है। इसका असर लोगों की सेहत पर हो सकता है।

## तालाब पर कब्जा होता रहा, लापरवाह बना रहा निगम

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के सामने अतिक्रमण का यह मुद्दा नया नहीं है। हद यह है कि बड़ा तालाब के कैचमेंट में शुरू से ही रसूखदार कब्जे का खेल खेलते रहे और कार्रवाई करने वाला नगर निगम लापरवाह बना रहा। बता दें, इसी फरवरी में सांसद आलोक शर्मा और तत्कालीन कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने एसडीएम को इस कब्जे पर कार्रवाई करने का ओदश दिया था। प्रशासन ने पांच अप्रेल को कार्रवाई के लिए टीम बनाई। 6 अप्रेल से लेकर 21 अप्रेल तक अवैध निर्माणों को हटाना था। कुछ कार्रवाई हुई और बंद हो गई। इसके बाद 4 जुलाई से फिर कार्रवाई शुरू हुई लेकिन हैरत यह है कि नगर निगम ने महज दो दिन की कार्रवाई के बाद ही इसे रोक दिया। अब यह ठंडे बस्ते में है।

## तालाब किनारे इतने अतिक्रमण चिह्नित

- कोटरा सुल्तानाबाद के सरकारी खसरा नंबर 284 में 4400 वर्गफीट में मस्जिद और 1200 वर्गफीट में मंदिर
- प्रेमपुरा में सरकारी जमीन पर ताबिश खान की दुकान
- बोट क्लब जॉक रेस्टोरेंट नाम से ताबिश खान ने 2800 वर्गफीट का तालाब किनारे व्यवसायिक निर्माण
- 21 हजार वर्गफीट में नगर निगम का म्यूजिकल फाउंटेन
- 4000 वर्गफीट में मप्र पर्यटन विकास निगम का निर्माण
- बोट क्लब के नाम दो एकड़ में तालाब किनारे निर्माण
- 2200 वर्गफीट में जलतरंग के नाम से निर्माण
- 2000 वर्गफीट में एमपीटी का विंड्स एंड वेव होटल
- 6000 वर्गफीट में नगर निगम का सुलभ कॉम्प्लेक्स
- 2000 वर्गफीट में नगर निगम का कचरा कैफे
- 400 वर्गफीट में गेमजोन
- प्रेमपुरा में खसरा नंबर 20 पर 10 डेसीमल रकबे पर होटल रंजीत
- वन विहार में 8000 वर्गफीट का आइरन शेड
- होटल जहांनुमा पैलेस का रोड व गेट समेत 2000 वर्गफीट का निर्माण

### झुग्गी मुक्त भोपाल स्कीम का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट

# कोटरा में गरीबों के आवास... 4 हेक्टेयर भूमि होगी आवंटित, 15 दिनों में मांगी आपत्तियां

भोपाल। दोपहर मेट्रो

झुग्गी मुक्त भोपाल के लिए कोटरा सुल्तानाबाद में शहर का अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट शुरू होगा। जिला प्रशासन से चार हेक्टेयर जमीन के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई है। टीटी नगर ग्राम कोटरा सुल्तानाबाद में इस प्रोजेक्ट के लिए के 17 खसरों की चार हेक्टेयर जमीन का आवंटन कर रहा है। ये जमीन यहां की 8.182 हेक्टेयर क्षेत्रफल में से रहेगी। 15 दिन के भीतर सुझाव आपत्ति दर्ज करवाई जा सकती है। नगर निगम के नाम पर ये आवंटन होगा। तहसीलदार न्यायालय ने आम जनता और संस्थाओं के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की है। 15 दिनों में सुझाव आपत्ति दे सकते हैं। इन झुग्गियों के लोगों को पीपीपी मॉडल के तहत पक्के मकान दिए जाएंगे। आवासीय परियोजनाओं में मॉल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और प्राइम डेवलपमेंट कार्य भी किए जाएंगे। शहर में 388 झुग्गी क्षेत्र चिह्नित किए हैं। इनमें 1.56 लाख झुग्गियां हैं। प्रति झुग्गी एक फ्लैट ही मानें तो शहर में अगले दो साल में डेढ़ लाख से अधिक फ्लैट बनाने होंगे।

## यहां इतने स्लम

| विस क्षेत्र | स्लम | मकान |
|---|---|---|
| उत्तर | 56 | 24550 |
| नरेला | 77 | 26524 |
| द पश्चिम | 68 | 37470 |
| मध्य क्षेत्र | 42 | 13769 |
| गोविंदपुरा | 73 | 28533 |
| हुजूर | 72 | 25714 |
| कुल | 388 | 156560 |

## इसलिए कोटरा को चुना

टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा रावत की मानें तो अरेरा हिल्स पर 18 एकड़ जमीन ढूंढना मुश्किल हो रहा है। यहां खुदाई पर्यावरणीय चिंता भी बढ़ा रही थी। ऐसे में शुरुआत भीमनगर की बजाय कोटरा सुल्तानाबाद से करना तय किया। जल्द ही योजना जमीन पर उतरेगी और भोपाल को झुग्गियों से निजात मिलेगी।

## नहीं रहीं एमएलबी कॉलेज की पूर्व प्राचार्य रोमशा सिंह

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एमएलबी कॉलेज की पूर्व प्राचार्य रोमशा सिंह का सोमवार सुबह निधन हो गया। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और प्रदेश के पूर्व मंत्री स्व. जंग बहादुर सिंह परमार की बहू और समाजसेवी स्व. आलोक प्रताप सिंह की पत्नी थी। वे अपने पीछे शोकाकुल परिवार को छोड़ गई हैं।

### पत्नी बोली-शरीर पर चोट के गहरे निशान, पुलिस ने किया इनकार

# सीमेंट चोरी में सेंट्रल जेल भेजे गए कैदी की मौत, परिजनों ने पुलिस पर लगाया मारपीट का आरोप, न्यायिक जांच शुरू

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सीमेंट चोरी के आरोप में महज तीन दिन पहले सूखी सेवनिया पुलिस ने गौहरगंज के जिस आरोपी नीरज धाकड़ को पकड़ा। उसकी भोपाल सेंट्रल जेल में रविवार को मौत हो गई। 35 साल का नीरज को जेल प्रबंधन हमीदिया अस्पताल ले गया। लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि नीरज के शरीर पर चोटों के निशान हैं। पत्नी पूजा के अनुसार पुलिस ने पीटा और फिर जेल में तबीयत बिगड़ गई। जेल अधीक्षक ने कोर्ट को इस संबंध में पत्र भेजा है। उन्होंने कहा है कि अचानक 8 अगस्त की रात नीरज का व्यवहार आक्रामक हो गया। उसने एक अन्य बंदी पर हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद उसे जेल अस्पताल ले जाया गया था। रविवार सुबह सुबह सांस लेने में दिक्कत और घबराहट होने पर उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन सुबह में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जेल प्रशासन ने मामले में न्यायिक जांच का अनुरोध किया है। मौत के बाद न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है।

बंदी की मौत के बाद मामले में न्यायिक जांच शुरू कर दी गई है। जांच में गिरफ्तारी के समय के हालातों से लेकर थाने में हुई कार्रवाई, मेडिकल जांच और जेल में दाखिले के रिकॉर्ड खंगाले जा

## गांव से पकड़ा था

नीरज पिता केसर सिंह धाकड़ रायसेन जिले के देवरी गां का रहने वाला था। सूखी सेवनिया टीआई अरुण शर्मा के मुताबिक, उसे 7 अगस्त को सीमेंट चोरी के मामले में पकड़ा था। नियमानुसार ही कार्रवाई की गई थी। आरोपी का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद उसे भोपाल सेंट्रल जेल भेज दिया गया था।

### डॉक्टर बोले-समय पर पहचानें और बीमारी से बचें

# जागरूकता...300 से अधिक लोगों ने लिया प्री-डायबिटीज शिविर में हिस्सा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

बारिश के बीच प्री-डायबिटीज़ जागरूकता व निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में लोगों का रुझान देखते ही बना। विधायक भगवानदास सबनानी की मौजूदगी में आरएसएसडीआई व कृष्णा डायबिटीज़ चैरिटेबल रिसर्च फाउंडेशन के शिविर में 300 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। डॉ. सचिन कुमार गुप्ता और डॉ. सुयश गुप्ता के मार्गदर्शन में ब्लड शुगर, एचबीए3सी व बीएमआई समेत विभिन्न स्वास्थ्य मानकों की जांच की गई। बढ़ते वजन को प्री-डायबिटीज़ के संभावित जोखिम बताते हुए बचाव पर जोर दिया गया। विधायक सबनानी ने भी सेहत के प्रति अलर्ट रहने की अपील की। प्री-डायबिटीज भविष्य में शुगर होने के संकेत देती है।

## नाट्य मंचन भी

डॉक्टरों ने लोगों को सीपीआर देने की तकनीक भी बताई। मौके पर जागरूकता नाटक का मंचन भी किया।

**मेट्रो एंकर** कैंसर- यूरोलॉजी समेत कई तरह की सर्जरी होगी आसान, कम खर्च में बेहतर इलाज

# केंद्र ने दी मंजूरी, एम्स में शुरू होगी दा विंची रोबोटिक सर्जरी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एम्स भोपाल में अक्टूबर–नवंबर तक मॉडर्न रोबोटिक सर्जरी सुविधा शुरू होगी। अस्पताल प्रबंधन ने दा विंची रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से वित्तीय मंजूरी दे दी है। एम्स भोपाल ने जटिल कैंसर, यूरोलाजी और अन्य गंभीर बीमारियों की सर्जरी को अधिक सटीक और आसान बनाने के लिए दा विंची रोबोट की मांग की थी। इस सिस्टम के जरिए डॉक्टर कंसोल से रोबोटिक हाथों को नियंत्रित करेंगे। इससे शरीर के ऐसे हिस्सों में भी अधिक सटीकता से आपरेशन किया जा सकेगा, जहां पारंपरिक सर्जरी में कठिनाई आती है।

डॉक्टरों का दावा कि थ्रीडी विजन और रोबोटिक सिस्टम के बेहतर नियंत्रण से जटिल आपरेशन में सटीकता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

## नई तकनीक से मरीजों को ये फायदे

- खून का रिसाव कम, सर्जरी बेहतर
- प्रोस्टेट, किडनी, गर्भाशय और कोलन कैंसर जैसी सर्जरी में रोबोटिक तकनीक उपयोगी साबित होगी।
- इसमें परंपरागत ऑपरेशन की तुलना में छोटा चीरा लगाया जाता है। इससे रक्तस्राव कम होता है।
- इस तकनीक से होने वाली सर्जरी से दर्द कम होने के साथ मरीज के जल्दी रिकवर होने की संभावना रहती है।

## मप्र में पहली बार ऐसी सरकारी सुविधा

**दा विंची** रोबोट स्थापित होने के बाद एम्स भोपाल मध्य प्रदेश का पहला सरकारी अस्पताल बन जाएगा, जहां रोबोटिक सर्जरी की सुविधा उपलब्ध होगी। अभी निजी अस्पतालों में ही ऐसी सुविधाएं मिल रही हैं। लेकिन इन अस्पतालों में मरीजों को इस पर ज्यादा रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि रोबोटिक सर्जरी की लागत ज्यादा होती है, इसलिए इलाज भी महंगा होता है। इधर एम्स भोपाल प्रबंधन का दावा है कि यहां आम मरीजों को कम खर्च में रोबोटिक सर्जरी की बेहतरीन सुविधा मिलेगी।

## संशोधित प्रस्ताव के बाद मिली मंजूरी

**रोबोट** की खरीद से जुड़ी फाइल में पहले बजट और उपयोगिता पर सवाल उठे थे। इससे केंद्रीय स्तर पर प्रक्रिया में देरी हुई। बाद में एम्स प्रशासन ने मंत्रालय को संशोधित प्रस्ताव भेजा। इसमें रोबोट के संभावित उपयोग, मरीजों की संख्या और डॉक्टरों की ट्रेनिंग का खाका शामिल किया। मंत्रालय से वित्तीय मंजूरी मिलने के बाद अब खरीद प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। दा विंची रोबोट विदेश से मंगाया जाएगा। एम्स में इसके शुरू होने के बाद मरीजों को अत्याधुनिक सर्जिकल सुविधा का लाभ मिल सकेगा।

### अंतरराष्ट्रीय विमान की 7 साल से हो रही मांग

# दो माह बाद भोपाल से उड़ेगी पहली इंटरनेशनल फ्लाइट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

सात साल के बाद अब भोपाल के राजा भोज इंटरनेशनल एयरपोर्ट से शारजाह के लिए सीधी हवाई की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह ऐलान तब किया, जब उन्होंने भोपाल से पटना, रीवा से कोलकाता और जबलपुर से कोलकाता की विमानों को फ्लैग ऑफ किया। सीएम ने कहा कि दो माह में भोपाल से इंटरनेशनल विमान शुरू होगा। ऐसा हुआ तो भोपाल से उड़ने वाला यह पहला अंतरराष्ट्रीय विमान होगा। बता दें, 2019 में एयरपोर्ट को अपग्रेड कर इंटरनेशनल लेवल का बनाया गया था। लेकिन तब से एक भी इंटरनेशनल फ्लाइट नहीं दी गई। अब आस जगी है।

## सांसद ने लिखा था केंद्रीय मंत्री को पत्र

भोपाल से अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा की मांग कई साल से की जा रही है। पिछले ही साल सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय नागरिक एवं उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू को इसके लिए पत्र भी लिखा था। इसमें कहा था कि यदि अंतरराष्ट्रीय विमान सेवा नहीं दे सकते तो एयरपोर्ट से इंटरनेशन दर्जा भी वापस ले लें।

# अपराध से पहले पुलिस तक पहुंचेगी आहट, भोपाल में बनेंगे 'सीक्रेट नागरिक'

## माइक्रो बीट स्तर पर भरोसेमंद लोगों का गोपनीय नेटवर्क तैयार करेगी पुलिस, अपराधियों के साथ लापरवाह पुलिसकर्मियों पर भी रहेगी नजर

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

अपराध होने के बाद कार्रवाई के बजाय अब अपराध की आहट पहले ही पुलिस तक पहुंचाने की तैयारी है। भोपाल पुलिस माइक्रो बीट सिस्टम को मजबूत करते हुए शहर के आम नागरिकों को अपने गोपनीय नेटवर्क से जोड़ने जा रही है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार की पहल पर प्रत्येक माइक्रो बीट में साफ छवि वाले, जागरूक और भरोसेमंद नागरिकों को 'माइक्रो बीट नागरिक प्रभारी' की जिम्मेदारी दी जाएगी।

इन नागरिकों की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। वे अपने क्षेत्र में अपराध, नशाखोरी, संदिग्ध गतिविधियों, संदिग्ध लोगों की आवाजाही और अपराधियों की सक्रियता की जानकारी पुलिस तक पहुंचा सकेंगे। इसके अलावा ऐसे विवादों की सूचना भी दी जा सकेगी, जिनसे भविष्य में कानून-व्यवस्था बिगड़ने की आशंका हो। स्थानीय नागरिक अपने इलाके की

गतिविधियों से सबसे पहले परिचित होते हैं, इसलिए उनकी जानकारी पुलिस के लिए अहम मानी जा रही है। नई व्यवस्था में पुलिसकर्मी भी निगरानी के दायरे में रहेंगे। यदि किसी नागरिक द्वारा बीट प्रभारी या पुलिसकर्मी को अपराध अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना दी जाती है और कार्रवाई नहीं होती, तो इसकी शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस कमिश्नर तक पहुंचाई जा सकेगी। भोपाल पुलिस नागरिकों से मिली सूचनाओं, उन पर हुई कार्रवाई और शिकायतों की नियमित समीक्षा करेगी।

### इलाके की हर हलचल पर रहेगी 'सीक्रेट नागरिक' की नजर

माइक्रो बीट नागरिक प्रभारी अपने क्षेत्र में होने वाली संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस तक पहुंचाएंगे। स्थानीय निवासी होने के कारण ये नागरिक अपने इलाके में आने-जाने वाले लोगों, नशाखोरी, अपराधियों की सक्रियता और आपसी विवादों जैसी गतिविधियों से जल्दी परिचित हो सकते हैं। पुलिस इसी स्थानीय जानकारी को अपनी नियमित पुलिसिंग से जोड़ना चाहती है। नागरिकों की भूमिका किसी पुलिसकर्मी की तरह कार्रवाई करने की नहीं होगी, बल्कि संदिग्ध गतिविधियों या संभावित खतरे की सूचना संबंधित पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाने की होगी। पुलिस का मानना है कि स्थानीय स्तर से समय पर मिलने वाली जानकारी अपराध होने से पहले पुलिस को सतर्क कर सकती है। इससे संवेदनशील इलाकों की निगरानी और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलने की उम्मीद है।

### साफ छवि वालों को ही मिलेगी जिम्मेदारी, पहचान रहेगी गुप्त

भोपाल पुलिस प्रत्येक माइक्रो बीट के लिए ऐसे नागरिकों का चयन करेगी, जिनकी स्थानीय स्तर पर अच्छी छवि हो और जो सामाजिक रूप से जिम्मेदार व विश्वसनीय माने जाते हों। इन नागरिकों की पहचान और भूमिका को गोपनीय रखने की व्यवस्था की जाएगी। गोपनीयता का उद्देश्य यह है कि नागरिक बिना किसी दबाव के पुलिस को जरूरी सूचनाएं दे सकें। नागरिक अपने क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की गतिविधियों, नशे से जुड़ी गतिविधियों, अपराधियों की सक्रियता या संभावित विवादों की जानकारी पुलिस तक पहुंचा सकेंगे। पुलिस के अनुसार, स्थानीय लोगों को जोड़ने से उन गतिविधियों की जानकारी जल्दी मिल सकती है, जो सामान्य पुलिस निगरानी में नजर से छूट जाती हैं। इस व्यवस्था से पुलिस और आम नागरिकों के बीच सूचना का एक भरोसेमंद नेटवर्क तैयार करने की कोशिश की जाएगी।

### पुलिस ने सूचना दबाई तो सीधे अफसरों तक पहुंचेगी शिकायत

माइक्रो बीट सिस्टम में केवल अपराधियों की निगरानी ही नहीं, बल्कि पुलिसकर्मियों की जवाबदेही भी तय करने की व्यवस्था रहेगी। यदि किसी नागरिक को लगता है कि उसने बीट प्रभारी या संबंधित पुलिसकर्मी को किसी अपराध अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना दी, लेकिन उस पर कार्रवाई नहीं हुई, तो वह इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों और पुलिस कमिश्नर तक पहुंचा सकेगा। इससे फील्ड में तैनात पुलिसकर्मियों की कार्यप्रणाली का फीडबैक वरिष्ठ अधिकारियों को मिल सकेगा। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि स्थानीय स्तर से मिलने वाली महत्वपूर्ण सूचना नजरअंदाज न हो। इस व्यवस्था के जरिए पुलिस को यह भी पता चल सकेगा कि किस क्षेत्र में सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई हो रही है और कहां लापरवाही सामने आ रही है।

## अगले सीजन से दिन में 10 घंटे मिलेगी खेती के लिए बिजली

# किसानों के लिए सहायक आय की व्यवस्था करना है हमारा लक्ष्य : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार का लक्ष्य किसानों की आमदनी बढ़ाने के साथ उन्हें खेती के अलावा सहायक आय के साधन उपलब्ध कराना है। किसान कल्याण वर्ष के तहत 16 विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। अगले सीजन से किसानों को खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। मुख्यमंत्री राजगढ़ में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि खेती के साथ मत्स्य पालन, पशुपालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। सांची ब्रांड के आधार पर दुग्ध उत्पादन को 12 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य है। राजगढ़ में मोहनपुरा-कुंडालिया डैम से सिंचाई सुविधा का विस्तार हुआ है। चंबल-कालीसिंध-पार्वती लिंक परियोजना से भविष्य में जिले को और लाभ मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार किया गया है और गेहूं उत्पादक किसानों से 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं एमएसपी पर खरीदा गया। सोयाबीन के लिए भावांतर और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जा रहा है।

### सरकार का उद्देश्य किसानों को कृषि क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों को खेती के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि अगले सीजन से खेती के लिए दिन में 10 घंटे बिजली देने की व्यवस्था की जा रही है। सरकार का उद्देश्य किसानों को सिंचाई के लिए सुविधाजनक समय पर बिजली उपलब्ध कराना है, ताकि वे अपनी फसलों की बेहतर देखभाल कर सकें। मुख्यमंत्री ने किसानों से पूरी मेहनत और लगन से खेती करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के साथ किसानों की आय बढ़ाने पर काम कर रही है। खेती के साथ अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देकर किसानों को अतिरिक्त आमदनी के साधन उपलब्ध कराने की योजना है। पशुपालन, दुग्ध उत्पादन और मत्स्य पालन को इसी दिशा में महत्वपूर्ण माध्यम माना जा रहा है।

#### खेती के साथ पशुपालन और दूध से भी कमाई

सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए खेती के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों के लिए सहायक आय के साधन विकसित करना सरकार के प्रमुख लक्ष्यों में शामिल है। प्रदेश में सांची ब्रांड के आधार पर दुग्ध उत्पादन को 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने और किसानों को नियमित आय का अतिरिक्त स्रोत उपलब्ध होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केवल फसल उत्पादन पर निर्भरता कम कर किसानों को कृषि से जुड़ी अन्य गतिविधियों से जोड़ना जरूरी है। किसान कल्याण वर्ष में 16 विभाग मिलकर विभिन्न योजनाओं और गतिविधियों को आगे बढ़ा रहे हैं।

#### 65 लाख हेक्टेयर में सिंचाई, 104 लाख टन गेहूं खरीदा

सीएम ने प्रदेश में कृषि क्षेत्र के लिए किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में 65 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का विस्तार किया गया है। गेहूं उत्पादक किसानों से 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा गया। राजगढ़ जिले में मोहनपुरा-कुंडालिया डैम से सिंचाई सुविधा बढ़ी है। आने वाले समय में चंबल-कालीसिंध-पार्वती लिंक परियोजना से भी जिले को लाभ मिलने की बात मुख्यमंत्री ने कही। उन्होंने कहा कि सिंचाई सुविधा बढ़ने से कृषि क्षेत्र में नए अवसर पैदा होंगे और राजगढ़ की तस्वीर बदलने में मदद मिलेगी। किसानों को सोयाबीन के लिए भावांतर की सुविधा और किसान सम्मान निधि की राशि सीधे खातों में उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का लक्ष्य कृषि को अधिक लाभकारी बनाना है।

#### लापरवाही पर कार्रवाई, बेहतर काम करने वालों को प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सरकार प्रशासनिक व्यवस्था में जवाबदेही और जनसेवा को प्राथमिकता दे रही है। अधिकारी-कर्मचारियों को प्रत्येक शुक्रवार जनता के बीच जाकर जनविश्वास अभियान के तहत काम करने के निर्देश दिए गए हैं। शुक्रवार को कोई बैठक नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि काम में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी, जबकि बेहतर कार्य करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश में करीब 80 हजार पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है, जबकि करीब 10 हजार शिक्षकों की भर्ती की जा रही है। सभी जिलों में बड़े पैमाने पर पुलिस भर्ती और पुलिस बैंड की व्यवस्था भी की जा रही है।

## अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री यादव ने गिनाईं उपलब्धियां

## 2044 तक दिल्ली मेट्रो को बिजली देने की प्रतिबद्धता

# दिल्ली मेट्रो से रीवा सोलर तक, दुनिया ने देखी मप्र की 'ग्रीन एनर्जी' ताकत

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

नई दिल्ली में आयोजित 7वें अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026 में मध्यप्रदेश को नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों के लिए सराहना मिली। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एयरपोर्ट से सम्मेलन स्थल तक दिल्ली मेट्रो से यात्रा की। सम्मेलन में उन्होंने बताया कि दिल्ली मेट्रो वर्ष 2018 से मध्यप्रदेश द्वारा उपलब्ध कराई जा रही बिजली से संचालित हो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली मेट्रो के संचालन के लिए प्रदेश सरकार वर्ष 2044 तक निरंतर विद्युत आपूर्ति करेगी। इस अवसर पर दिल्ली मेट्रो ने भी मध्यप्रदेश सरकार का आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश वर्ष 2030 तक देश के 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता के राष्ट्रीय लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रतिबद्धता से काम कर रहा है। प्रदेश नवकरणीय ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण और हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। सम्मेलन में देश-विदेश के ऊर्जा विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने

प्रदेश के प्रयासों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने 750 मेगावाट की रीवा अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परियोजना में सौर ऊर्जा का टैरिफ कोयला आधारित बिजली से भी कम रहा। परियोजना को वर्ल्ड बैंक ग्रुप प्रेसिडेंट्स अवार्ड फॉर एक्सीलेंस मिल चुका है और इसकी केस स्टडी हावर्ड यूनिवर्सिटी में पढ़ाई जाती है। नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने बताया कि दिल्ली मेट्रो के महानिदेशक प्रमित गर्ग ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा बिना किसी निवेश के लगातार बिजली उपलब्ध कराने के लिए आभार जताया। सम्मेलन में मुख्यमंत्री को प्रदेश में नवकरणीय ऊर्जा के उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित भी किया गया।

## एपपीपीएससी से चयनित डॉक्टरों की ऑनलाइन काउंसलिंग से तय होगी तैनाती

# मप्र में 233 नए डेंटल सर्जन की भर्ती, अब जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज तक होगी पोस्टिंग

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों में डेंटल सर्जन की कमी दूर करने की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने 233 नए डेंटल सर्जन की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। इन डॉक्टरों का चयन मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एपपीपीएससी) के माध्यम से हुआ है। नियुक्ति से पहले सभी चयनित अभ्यर्थियों को विभाग के पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य किया गया है।

विभाग के निर्देश के अनुसार चयनित सभी डेंटल सर्जन को 10 अगस्त की शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पूरा करना होगा। रजिस्ट्रेशन में निर्धारित जानकारी दर्ज करनी होगी। तय समय सीमा में प्रक्रिया पूरी नहीं करने वाले अभ्यर्थी की नियुक्ति रद्द मानी जा सकती है। विभाग ने अभ्यर्थियों को समय सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए हैं।

चयनित डेंटल सर्जनों की तैनाती प्रदेश के जिला अस्पताल, सिविल अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और मेडिकल कॉलेजों में उपलब्ध रिक्त पदों के आधार पर की जाएगी। किस डॉक्टर को किस संस्थान में पदस्थ किया जाएगा, इसका फैसला ऑनलाइन काउंसलिंग के माध्यम से होगा। काउंसलिंग की तारीख और

#### पति-पत्नी को एक जिले में पोस्टिंग

यदि पति और पत्नी दोनों का चयन डेंटल सर्जन के पद पर हुआ है, तो उन्हें एक ही जिले में पोस्टिंग का विकल्प दिया जाएगा। इसके लिए दोनों को रजिस्ट्रेशन फॉर्म में अपनी संबंधित जानकारी दर्ज करनी होगी। विभाग उपलब्धता के आधार पर दोनों को एक जिले में पदस्थ करने का प्रयास करेगा।

उसमें शामिल होने के लिए लिंक विभाग के पोर्टल पर जारी किया जाएगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि रजिस्ट्रेशन फॉर्म में गलत जानकारी देने पर संबंधित अभ्यर्थी के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। नियुक्ति आदेश मिलने के बाद बिना सूचना ड्यूटी पर नहीं पहुंचने की स्थिति में भी नियुक्ति रद्द की जा सकती है।

# आदिवासी समाज ने निकाली रैली, दशहरा मैदान पर जुटे जनजातीय समुदाय के लोग

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

राजधानी में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज की रैलियां निकाली जा रही हैं। राजधानी के आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा रैली के रूप में टीटी नगर दशहरा मैदान पहुंचे। न्यू मार्केट के पास रैली में शामिल युवा डीजे की धुन पर नाचते-गाते नजर आ थे। अलग-अलग स्थानों से निकली रैलियों के टीटी नगर दशहरा मैदान पहुंचने का सिलसिला जारी है।

टीटी नगर दशहरा मैदान में आदिवासी विकास परिषद की ओर से विश्व आदिवासी दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और आदिवासी

समाज के युवा व कलाकार शामिल होंगे। उमंग सिंघार यहां रैली को संबोधित करेंगे। केकड़िया- नीलबड़, अटल पथ होते हुए टीटी नगर दशहरा मैदान पहुँचे। झिरी से कजलीखेड़ा, कोलार रोड, चूना भट्टी, कोलार तिराहा, मैनिट, माता मंदिर होते हुए टीटी नगर दशहरा मैदान।महाबली नगर (सतपुड़ा भवन) से शौर्य स्मारक, लिंक रोड, रोशनपुरा, रंगमहल चौराहा होते हुए टीटी नगर दशहरा मैदान।

## 12 अगस्त से 'राखी मेल' सुविधा

# राखी भेजने पर बहनों को डाक विभाग देगा 10 फीसदी की छूट

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

रक्षाबंधन पर दूर-दराज रहने वाले भाइयों तक राखी भेजने वाली बहनों के लिए डाक विभाग ने खास सौगात दी है। मध्यप्रदेश के डाकघरों से स्पीड पोस्ट के जरिए राखी भेजने पर 10 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह विशेष सुविधा 12 अगस्त से लागू होगी। छूट का लाभ लेने के लिए लिफाफे पर बड़े और साफ अक्षरों में 'राखी मेल' लिखना अनिवार्य होगा। ऐसा नहीं होने पर सामान्य स्पीड पोस्ट शुल्क ही लिया जाएगा। रक्षाबंधन को देखते हुए भोपाल के डाकघरों में राखी भेजने वालों की संख्या भी बढ़ी है। विभाग के अनुसार अगस्त में राखी से संबंधित डाक की संख्या में करीब 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। लोगों की सुविधा के लिए राखी मेल की बुकिंग के लिए तीन विशेष काउंटर बनाए गए हैं। डाकघरों में राखी भेजने के लिए विशेष एनवलप भी उपलब्ध कराया जा रहा है। एक ग्राहक एक बार में अधिकतम पांच राखी मेल स्पीड पोस्ट बुक करा सकेगा। राखी भेजने के लिए लिफाफा खोलकर दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

**मेट्रो एंकर** | 9वीं से 12वीं तक के लिए व्यवस्था लागू, कमिश्नर ने जारी किया आदेश

# अब मप्र के स्कूलों में लगेगी स्टूडेंट्स की ऑनलाइन अटेंडेंस

**भोपाल। दोपहर मेट्रो**

मप्र के सरकारी स्कूलों में अब शिक्षकों की ई-अटेंडेंस को लेकर चल रहे विरोध के बीच अब विद्यार्थियों की उपस्थिति भी ऑनलाइन दर्ज करने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। लोक शिक्षण संचालनालय ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने के संबंध में सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

इसके लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर व्यवस्था की गई है। लोक शिक्षण संचालनालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि

स्कूलों में पढ़ाई की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति बेहद जरूरी है। पोर्टल पर पूरी कक्षा के विद्यार्थियों की सूची दिखेगी। नई व्यवस्था के तहत एजुकेशन पोर्टल 3.0 में स्टूडेंटस मैनेजमेंट के अंतर्गत स्टूडेंट अटेंडेंस ऑप्शन में जाने पर संबंधित कक्षा के सभी विद्यार्थियों की सूची दिखाई देगी। शिक्षक को विद्यार्थियों की वास्तविक उपस्थिति के अनुसार उनकी स्थिति दर्ज करनी होगी।

#### पोर्टल पर संस्था के लॉगिन से लगेगी उपस्थिति

संस्था के लॉगिन से दर्ज होगी कक्षा 9-12 की अटेंडेंस निर्देशों के अनुसार प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्कूल की कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों की उपस्थिति एजुकेशन पोर्टल 3.0 पर संस्था लॉगिन से दर्ज की जाएगी। प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों की सेक्शनवार

#### कम उपस्थिति वाले छात्रों पर भी रहेगी नजर

ऑनलाइन अटेंडेंस का उद्देश्य सिर्फ रोज की उपस्थिति दर्ज करना नहीं है। विभाग नियमित रूप से विद्यार्थियों की उपस्थिति का विश्लेषण भी करेगा। कम उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाएं और जरूरी शैक्षणिक सहायता की योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। लगातार अनुपस्थित रहने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों से संपर्क कर उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने का प्रयास भी किया जाएगा। यानी ऑनलाइन हाजिरी के जरिए विभाग स्कूलों में विद्यार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड डिजिटल करने के साथ-साथ कम उपस्थिति वाले बच्चों की पहचान भी करेगा। शिक्षकों की ई-अटेंडेंस के बीच छात्रों की ऑनलाइन हाजिरी सरकार की यह व्यवस्था ऐसे समय में सामने आई है जब प्रदेश के सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की ई-अटेंडेंस को लेकर शिक्षक संगठनों और शिक्षकों का विरोध जारी है।

एंट्री करने की जिम्मेदारी कक्षा शिक्षक की होगी। विभाग ने कहा है कि पोर्टल पर यह सुविधा जल्दी उपलब्ध कराई जाएगी।

# भ्रम नहीं स्पष्ट नीति चाहिए

दे शभर में इन दिनों इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (E20) को लेकर आम जनता, वाहन चालकों और ऑटोमोबाइल विशेषज्ञों के बीच एक असमंजस और बहस का माहौल बना हुआ है। एक तरफ जहां सरकार इसे ईंधन सुरक्षा, कच्चे तेल के आयात बिल में कटौती और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम मान रही है, वहीं दूसरी ओर आम उपभोक्ताओं के मन में गाड़ियों के इंजन की उम्र, माइलेज में गिरावट और रखरखाव (मेंटेनेंस) के बढ़ते खर्च को लेकर गंभीर आशंकाएं हैं। समय का तकाजा है कि अब इस विषय पर व्याप्त भ्रम और संशय पर पूर्ण विराम लगाया जाए।

पर्यावरणीय और आर्थिक दृष्टिकोण से इथेनॉल सम्मिश्रण एक दूरदर्शी पहल है। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होती है, बल्कि देश के गन्ना और अनाज उत्पादक किसानों को भी आय का नया जरिया मिलता है। परंतु, नीतिगत फैसलों की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि वे कितनी पारदर्शिता और जन-विश्वास के साथ लागू किए जाते हैं। वर्तमान में सबसे बड़ी समस्या सूचना के अभाव और अधूरी जानकारियों से उपज रहा भ्रम है। पुरानी गाड़ियों के ईंधन तंत्र पर 20 प्रतिशत इथेनॉल (E20) के प्रभाव को लेकर वाहन मालिक आशंकित हैं, जबकि बाजार में पुरानी और नई दोनों श्रेणियों के वाहन सड़क पर दौड़ रहे हैं।

सरकार का यह दायित्व बनता है कि वह इस भ्रमित वातावरण को तुरंत खत्म करे। इसके लिए एक स्पष्ट, सुसंगत और पारदर्शी राष्ट्रीय नीति सामने लानी होगी। सबसे पहले, सरकार और तेल कंपनियों को एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर जनता को तकनीकी तथ्यों से अवगत कराना चाहिए। यदि पुरानी गाड़ियों को श्व20 से कोई नुकसान होता है या माइलेज में मामूली कमी आती है, तो इसे स्पष्ट रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए और इसका समाधान भी पेश किया जाना चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं को विकल्प देना हो सकता है। जब तक देश का संपूर्ण वाहन बेड़ा E20 मानकों के पूरी तरह अनुकूल नहीं हो जाता, तब तक बिना मिश्रित (E0) या कम मिश्रित (E10) ईंधन का विकल्प भी उपलब्ध रखा जाना चाहिए, ताकि पुरानी गाड़ियों के मालिकों को अचानक किसी वित्तीय या तकनीकी संकट का सामना न करना पड़े। इसके अलावा, ऑटोमोबाइल निर्माताओं के साथ मिलकर मौजूदा वाहनों के लिए आवश्यक बदलाव या समाधान भी रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जाने चाहिए। हर हरित पहल का स्वागत होना चाहिए, लेकिन जनहित को ताक पर रखकर या उपभोक्ताओं में डर का माहौल बनाकर कोई भी नीति सफल नहीं हो सकती। सरकार को चाहिए कि वह संशय के इस दौर को समाप्त करे, जनता की वास्तविक चिंताओं को समझे और एक ऐसा रोडमैप तैयार करे जिसमें देश का आर्थिक-पर्यावरणीय हित और आम नागरिक का भरोसा, दोनों सुरक्षित रहें।

# राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, युवा आंदोलन और सत्ता से संवाद के रास्ते

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

रा ष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने इस सप्ताह मुंबई में जेन जी और जेन -अल्फा कहे जाने वाले समूह से संवाद किया। उन्होंने कहा- हमें उनकी बात सुननी चाहिए। उनसे बातचीत में कमी थी, इसीलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर आंदोलन हुआ। नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों के बाद इसे युवाओं के साथ संघ की ओर से सबसे अहम संवाद माना जा रहा है। उनका कहना है कि ' अगर सरकार ने पहले ही बात कर ली होती , तो आंदोलन की जरूरत नहीं होती। आंदोलन भी बातचीत का एक तरीका है। आंदोलन हमारे या आपके खिलाफ नहीं, बल्कि सिस्टम में सुधार के लिए होना चाहिए। ' इस तरह की पहल अच्छी है , क्योंकि केंद्र की भाजपा सरकार के संघ के साथ संबंधों को लेकर अधिक चर्चा होती है। यों संघ दावा यही करता है कि वह सरकार के कामकाज में कोई हस्तक्षेप नहीं करता। वैसे भी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी या उनके सहयोगी अमित शाह , राजनाथ सिंह , नितिन गडकरी सहित अधिकांश नेता संघ के ही शिक्षित प्रशिक्षित हैं। सत्ता में आने के बाद दशकों से शिक्षा संस्कृति जैसे क्षेत्रों में वामपंन्थी कम्युनिस्ट विचारों और उनके लोगों को बदलकर सरकार ने विभिन्न संस्थानों में समान विचार के लोगों की नियुक्तियां की हैं। इसलिए हाल के वर्षों में शिक्षा के क्षेत्रों में हुई गड़बड़ियों के आरोप कुछ लोगों पर लगते रहे हैं। संघ ने पिछले लगभग 100 वर्षों में शिक्षा, समाजसेवा, महिला, युवा, जनजातीय, मजदूर, किसान, छात्र, धार्मिक एवं सेवा कार्यों के लिए अनेक स्वतंत्र संगठनों का निर्माण या प्रेरणा दी है। इन संगठनों का अपना अलग पंजीकरण, कार्यप्रणाली और नेतृत्व होता है, हालांकि इन्हें व्यापक रूप से 'संघ परिवार' का हिस्सा माना जाता है। संघ की गतिविधियों को पत्रकार के रूप में 1971 से देखता रहा हूँ और पूर्व संघ प्रमुखों के इंटरव्यू भी किए हैं। इसलिए सवाल उठता है कि छात्र आंदोलन और सरकार के बीच हुए तनाव और टकराव के दौरान संघ के इतने बड़े नेटवर्क , विद्यार्थी संगठन , शिक्षक समुदाय आदि ने कोई हस्तक्षेप क्यों नहीं किया ? सरकार से भी संवादहीनता की बात कम से कम मेरे गले दिमाग में नहीं उतर सकती। संघ से शिक्षा क्षेत्र में जुड़े संगठनों के दावों पर ही ध्यान दीजिये।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने 2025-26 में अपनी सदस्य संख्या लगभग 77 लाख बताई है। यह संगठन का अब तक का सबसे बड़ा सदस्यता आँकड़ा बताया गया। स्वयं को भारत का सबसे बड़ा छात्र संगठन बताती है। यह विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में छात्र हित, शिक्षा सुधार, शोध, छात्रवृत्ति, परीक्षा, रोजगार तथा राष्ट्रीय विषयों पर अभियान चलाती है। समर्थक इसे सक्रिय छात्र संगठन मानते हैं, जबकि आलोचक इसके राजनीतिक और वैचारिक प्रभाव पर प्रश्न उठाते हैं। इसी तरह संघ से जुड़े संगठन विद्या भारती द्वारा जारी नवीन आँकड़ों के अनुसार उनके 12791 स्कूल में करीब 1 लाख 50 हजार शिक्षक और लगभग 32 लाख 50 हजार छात्र हैं। विद्यार्थी परिषद और विद्या भारती का नेटवर्क आकार की दृष्टि से भारत के सबसे बड़े छात्र एवं निजी शैक्षिक नेटवर्कों में से एक है। इनके शिक्षा में योगदान का मूल्यांकन अलग-अलग दृष्टिकोणों से किया जाता है। समर्थक इसे विद्यालय विस्तार, अनुशासन और संस्कार आधारित शिक्षा का महत्वपूर्ण मॉडल मानते हैं। यह बात स्वीकारी जानी चाहिए कि अनेक राज्यों में बोर्ड परीक्षाओं में इन स्कूलों के बच्चों के अच्छे परिणाम आए। संघ की ऐसी संस्थाओं से जनजातीय एवं दूरस्थ क्षेत्रों में शिक्षा का विस्तार हुआ। कोविड काल में डिजिटल शिक्षा अभियान में भी इनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। संघ से जुड़े एक और संगठन वनवासी कल्याण आश्रम ने पिछले 75 वर्षों के दौरान हजारों छात्रावास, विद्यालय एवं स्वास्थ्य परियोजनाएं चलाई, जिसका लाभ आदिवासी इलाकों में हुआ। खासकर नक्सल प्रभावित अथवा पूर्वोत्तर राज्यों में सक्रिय विदेशी मिशनरियों के प्रभाव को रोकने में इनकी सकारात्मक भूमिका रही।

संघ से जुड़े 12,654 अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों में 11,143 शिक्षक तथा 2,45,403 छात्र हैं। मतलब औपचारिक और अनौपचारिक संस्थानों को मिलाकर लगभग 1.6 लाख शिक्षक इस नेटवर्क से जुड़े बताए जाते हैं। संघ से जुड़े बाल संस्कार केंद्र एवं एकल विद्यालय अभियान (ग्रामीण एवं जनजातीय क्षेत्रों में एक शिक्षक मॉडल) से भी लाखों परिवारों को जोड़ा गया है। इन संगठनों का कहना है कि उनका उद्देश्य राष्ट्र निर्माण, सेवा, सांस्कृतिक संरक्षण और चरित्र निर्माण है तथा वे अपने कार्यों को सामाजिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से देखते हैं। संघ परिवार से जुड़े प्रत्यक्ष एवं प्रेरित संगठनों की संख्या 100 से अधिक मानी जाती है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार में आने पर पूरी तैयारी के बाद 2020 में क्रन्तिकारी बदलाव वाली नई शिक्षा नीति की घोषणा की। उसमें संघ की मूल विचारधारा का समावेश है। 2047 के 'विकसित भारत' के लिए शिक्षा का एजेंडा केवल स्कूल-कॉलेजों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। इसमें ज्ञान, कौशल, रोजगार, शोध, तकनीक, भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषा, नैतिक/संवैधानिक मूल्य और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को एक साथ जोड़ने की कोशिश दिखाई देती है। नीति आयोग के शिक्षा नीति श्व2047 दस्तावेज में शिक्षा को सीधे विकसित भारत की मानव क्षमता, उत्पादकता और सामाजिक गतिशीलता से जोड़ा गया है। दस्तावेज लगभग 25 करोड़ स्कूली और 4 करोड़ उच्च शिक्षा विद्यार्थियों के विशाल तंत्र का उल्लेख करता है और स्थानीय भाषाओं, व्यक्तिगत सीखने तथा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को महत्वपूर्ण मानता है। संघ और उससे जुड़े शिक्षा-विचार में यह मुद्दा लंबे समय से महत्वपूर्ण रहा है कि भारतीय बच्चे अपनी भाषा और संस्कृति से कटकर शिक्षा न लें। नई शिक्षा नीति में भी मातृभाषा/स्थानीय भाषा में प्रारंभिक शिक्षा को महत्व दिया गया है। यहीं संघ और सामान्य सरकारी शिक्षा नीति के बीच सबसे स्पष्ट वैचारिक संबंध दिखाई देता है। संघ से जुड़े शिक्षा विमर्श में शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं बल्कि भारतीय दृष्टि , आधुनिक विज्ञान , चरित्र निर्माण तथा राष्ट्रबोध माना जाता है। इसी दिशा में भारतीय शिक्षा बोर्ड का उदाहरण महत्वपूर्ण है। उसके आधिकारिक दस्तावेजों में भारतीय संस्कृति, पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी शिक्षा को जोड़ने की बात कही गई है। बहरहाल 2047 की शिक्षा के लिए सबसे बेहतर मॉडल वह होगा जिसमें भारतीय परंपरा का अध्ययन भी हो और आधुनिक वैज्ञानिक सोच भी मजबूत हो।

केंद्र और अनेक राज्यों में भाजपा की सरकारें आने के बाद कॉलेजों , विश्वविद्यालयों अथवा उनके प्रशासनिक संस्थानों में हुई नियुक्तियों में भी कई लोग रखे गए हैं। सभी संस्थानों के दावों को ठीक माना जाए तो युवा पीढ़ी में लगभग दो करोड़ लोग हैं। उनके परिवारों की सदस्य संख्या दस करोड़ तक हो सकती है। तब भी क्या शिक्षा क्षेत्रों की समस्याओं और गड़बड़ियों का पता नहीं चल सका। सांसदों , विधायकों , पार्षदों ने क्या भूमिका निभाई ? इस दृष्टि से संघ और भाजपा को युवा असंतोष के समाधान में सहयोग के मुद्दे पर गंभीरता से अपने संगठनों और सत्ता से लाभान्वित हो रहे लोगों के कामकाज और रवैये की समीक्षा करना चाहिए । प्रतिपक्ष के राजनीतिक संगठनों की तरह केवल प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को दोषी बता कथित स्वयंसेवकों द्वारा खुद अधिक लाभ पाने की कोशिशों और दबाव बनाने से भविष्य सुरक्षित नहीं होगा। दस वर्षों में उन्हें मोदी सरकार से बहुत लाभ हुआ है। उनकी सुविधाओं में बढ़ोतरी हुई और समाज में अधिक महत्व मिलने लगा है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने मुंबई के कार्यक्रम में माना है कि ' शिक्षा सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं है। सबको अपने अपने स्तर पर सहयोग करना होगा। हमने देखा है कि कई गांवों के स्थानीय लोगों ने बच्चों की शिक्षा के लिए मिलजुलकर अच्छे प्रयास किए हैं। '

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

# लोकतंत्र के आधुनिक परिवेश में सुविधा की राजनीति और शिक्षा जगत की दुविधा

गिरीश्वर मिश्र
महात्मा गाँधी हिंदी विवि के पूर्व कुलपति

लो कतंत्र के आधुनिक परिवेश में सामाजिक-राजनीतिक जीवन में उथल-पुथल आम बात है। विकसित और विकासशील सभी तरह के देशों में, जहाँ लोकतांत्रिक सरकारें सत्ता की बागडोर संभाल रही हैं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बहाल है। वहाँ तमाम चीज़ों को लेकर बहसें होती रहती हैं। ऐसे में विभिन्न मुद्दों पर राजनैतिक दलों की अलग-अलग राय भी होती है। यह स्थिति बहुत हद तक स्वस्थ राजनीतिक प्रवृत्ति को दर्शाती है। सच कहें तो असहमति को आदर देना सभ्य समाज की वैचारिक परिपक्वता का परिचायक होता है।

भारत जैसे देश में जहाँ राष्ट्रीय स्तर की छह और क्षेत्रीय स्तर की साठ राजनीतिक दलों की संख्या है वैचारिक मतभेद होना सहज और स्वाभाविक है। ऊपर से क्षेत्रीय, भाषाई, धार्मिक तथा आर्थिक विविधतायें भी बहुत तरह की हैं। ऐसी बहुलताओं वाले देश में किसी प्रश्न पर भिन्न प्रकार के विचारों को राजनैतिक विमर्श में सहनशीलता के साथ सम्मानजनक जगह मिलनी चाहिए। अक्सर विरोध की गुंजाइश न होने पर लोकतांत्रिक संस्थाएं और उनकी गतिविधियाँ पटरी से उतर कर ठप पड़ जाती हैं। देश में जब आपातकाल लगा था तब कुछ ऐसा ही हुआ था। इतिहास गवाह है कि देश ने उस कदम को नकार दिया था और जेपी के नेतृत्व में बड़ा बदलाव आया और वह एक प्रस्थानविंदु बन गया। उसके बाद किसी एक दल का राजनीतिक वर्चस्व खत्म हो गया। ऐसे में पारस्परिक वाद, विवाद और संवाद राजनीतिक अनिवार्यता बन चुकी है। गौरतलब है संविधान सभा की बहसों और उसके बाद देश के संसदीय इतिहास में भी अनेक अवसरों पर संसद में तीखी बहसें होती रही हैं। कई सांसदों के वक्तव्यों में ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति-सभ्यता की बातें भी हुआ करती थीं और हास्य-विनोद का पुट भी रहता था। इनसे लोगों को सीखने को भी बहुत कुछ मिलता था। कुछ समय से इस तरह की परम्परा से अलग हट कर संसद में चल रही गतिविधि देखते-सुनते हुए आमजन हतप्रभ हैं और उनकी चिंता बढ़ती रही है। अब संसद परिसर का वातावरण गंभीर विचार-विनिमय की जगह नाटकीय अभिनय के प्रदर्शन का मंच सा होता जा रहा है। संसद के भीतर और बाहर बार-बार मान्यवरों की ओर से ऐसा होना आमजन को निराश करने वाला है। इससे किसी दल कितना राजनैतिक लाभ मिलता है ये तो वे ही जानें पर ऐसे ग़ैरज़िम्मेदार आचरण से तात्कालिक रूप से देश के संसाधनों का अपव्यय तो निश्चित रूप से होता है। यह अलग बात है कि इसकी ज़िम्मेदारी कोई नहीं लेता है। साथ ही जनता को अवांछित संदेश भी जाता है। संसद का पूरा का पूरा सत्र कोरा बीत जाता है और उसके काम धरे के धरे रह जाते हैं या फिर आपाधापी में बिना विचारे निपटा लिए जाते हैं। दोनों ही हाल में यह एक जोखिम वाली बात है, पर यह प्रवृत्ति रुकने का नाम नहीं ले रही है। समस्याओं पर विचार करने और उनकी ओर ध्यान आकृष्ट करने का जो अभिनव तरीका उभर रहा है वह संसद की गरिमा के विरुद्ध है। अलबत्ता सांसदों को अन्न, जल तथा पर्यटन और कार्य के भत्ते आदि की तरह-तरह की सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। सांसद होने के लाभ उन्हें मिलते रहते हैं। उन्होंने अपने लिए नीति बना रखी है ताकि सुविधाएं बिना बंदिश के मिलती रहें। सुविधा सबको चाहिए, राजा को भी और प्रजा को भी। राजनीति सुविधाभोगी हो रही है और लोक-जीवन के सरोकार पिछड़ते जा रहे हैं। जनता की नियति असुविधा भोगने की है। उसकी लाचारी और विवशता कई-कई मोर्चों जारी है। आजकल राजनीति में भी सत्ता पक्ष और विपक्ष में ठनी हुई है और संसद में गतिरोध जारी है। इस खेदजनक रुकावट की त्रासदी देश में शिक्षा की समस्याओं से जुड़ी हुई है। बावजूद इसके शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है केंद्र और राज्यों की सरकार हो या संसद, शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण और बुनियादी प्रश्नों की लगातार उपेक्षा होती आ रही है। चर्चाओं में सभी विषयों पर ध्यान देने के बाद शिक्षा की बारी आती है और इस पर सतही तौर पर नजर डाली जाती है और रस्म अदायगी निभाई जाती है।

वर्तमान सरकार ने शिक्षा में रुचि ली और उत्साहपूर्वक 2020 में एक नई शिक्षा नीति का ऐलान किया। तब से उस पर अमल चल रहा है, पर किसी भी बदलाव की तरह यह भी पेचीदा है। बड़े परिवर्तन के लिए अपेक्षित संसाधन और जरूरी तैयारी भी चाहिए। इस महत्वाकांक्षी बदलाव ने शिक्षा-जगत के सामने नई चुनौतियाँ भी खड़ी की हैं। आज तक राष्ट्रीय बजट का छह प्रतिशत शिक्षा पर खर्चने का वादा पूरा नहीं हो सका है जबकि जनसंख्या में वृद्धि के हिसाब से शिक्षा के लिए इससे भी ज़्यादा संसाधन आवंटित होना चाहिए। इस बीच संख्या की दृष्टि शिक्षा-संस्थानों में इजाफा तो जरूर हुआ परंतु गुणवत्ता की दृष्टि से स्थिति संतोषप्रद नहीं कहीं जा सकती। ऐसे में जरूरी है कि शिक्षा के प्रश्नों पर समग्रता में विचार किया जाय। देश की जनसंख्या में 65 प्रतिशत बच्चे, किशोर और युवा हैं। इसलिए यथार्थ के धरातल पर आवश्यकता का आकलन कर संसाधनों, परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों के बीच तालमेल बैठाना अत्यंत आवश्यक है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही सामाजिक-आर्थिक उन्नति की यात्रा हो सकेगी।

**-यह लेखक के अपने विचार हैं।**

**हेल्थ अलर्ट**

# नई रिसर्च... च्युइंग गम चबाने से कम होगा सिर-गर्दन के कैंसर का खतरा?

**कैंसर** से बचाव या इलाज के लिए च्यूइंग गम का इस्तेमाल सुनने में भले ही किसी फिल्मी आइडिया जैसा लगे, लेकिन वैज्ञानिकों ने सच में ऐसा 'बायोइंजीनियर्ड च्युइंग गम' (bioengineered chewing gum) विकसित किया है जो मुंह में मौजूद कुछ ऐसे वायरस और बैक्टीरिया को कम करने में सक्षम दिखा है, जिनका संबंध सिर और गर्दन के कैंसर से है। रिसर्च में बताया गया है कि ओरल मानव पैपिलोमावायरस (एचपीवी) के स्तर को 93% तक कम कर सकता है। डॉ. हितेश सिंघवी (कंसल्टेंट - हेड एंड नेक ऑन्कोसर्जरी, KIMS हॉस्पिटल्स, ठाणे) कहते हैं कि ये निष्कर्ष रोमांचक हैं। लेकिन, हमें इसे नए रोगियों के लिए तुरंत होने वाले समाधान के बजाय प्रारंभिक वैज्ञानिक सफलता के रूप में देखना चाहिए।

डॉक्टर बताते हैं कि यह अध्ययन सिर और गर्दन के कैंसर में ओरल माइक्रोबायोम की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डालता है। वैज्ञानिक मान रहे हैं कि बैक्टीरिया और वायरस सहित मुंह में सूक्ष्मजीव लंबे समय तक ओरल हेल्थ को प्रभावित कर सकते हैं और संभावित रूप से कैंसर के विकास में योगदान कर सकते हैं।

एचपीवी की भूमिका सिर और गर्दन के कैंसर के प्रकार के आधार पर काफी अलग होती है। भारत में, केवल 4% ओरल कैविटी कैंसर एचपीवी संक्रमण से जुड़े होते हैं। इसके विपरीत, लगभग 30% ऑरोफरीन्जियल कैंसर (टॉन्सिल और जीभ के आधार) एचपीवी से संबंधित होते हैं। बाहर के देशों में करीब 60 फीसदी ऑरोफरीन्जियल कैंसर के मामले रेगुलर एचपीवी संक्रमण से जुड़े होते हैं। लैब में इस च्यूइंग गम के नतीजे अच्छे रहे हैं, लेकिन इंसानों में कैंसर से बचाव में यह कितनी असरदार है, यह साबित होना अभी बाकी है। तंबाकू और ज्यादा शराब से दूर रहना ,मुंह की साफ-सफाई का ध्यान रखना, किसी तरह लक्षण दिखाई देने पर मेडिकल जांच करवाना आदि सिर और गर्दन के कैंसर के जोखिम को कम करने के सबसे असरदार तरीके हैं।

फिर भी, बायोइंजीनियर्ड च्युइंग गम कॉन्सेप्ट कैंसर रिसर्च में एक अहम बदलाव को दिखाता है। वैज्ञानिक सिर्फ पहले से मौजूद बीमारियों के इलाज पर ध्यान देने के बजाय, अब ओरल हेल्थ को बेहतर करने और कैंसर को बढ़ावा देने वाले कारकों को कम करके, बीमारी को शुरुआती स्टेज में ही रोकने के तरीकों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।

**सुविचार**

सोच का ही फर्क होता है, वरना समस्याएं आपको कमजोर नहीं बल्कि मजबूत बनाने आती हैं।

-अज्ञात

**निशाना**

## सब मुफ़्त' का झांसा...

अनिल कुमार साकेत

वो यूँ गया कि मुफ़्त की चाय याद आ गई,
चुनाव बीतते ही महँगाई की सज़ा याद आ गई।
कहा था उसने– 'बदल दूँगा क़िस्मत तुम्हारी',
आज कटते चालान देखकर उसकी वफ़ा याद आ गई।
नेता जी ने मारा सड़क पर ऐसा 'यू-टर्न',
कि मुफ़्त खोरी में छूटी ग़रीबी याद आ गई।
राशन की लाइन में खड़े होकर जो सोचा,
तो भाषण में मिली 'दवा' याद आ गई!

**AI अपडेट**

# आंखें बंद कर इंटरव्यू देने पर मजबूर इंजीनियर्स चीटिंग रोकने कंपनियों का अजीब तरीका

**कैसा** हो अगर आपसे किसी नौकरी के इंटरव्यू में आंखे बंद करके जवाब देने के लिए कहा जाए। दरअसल यह AI के दौर की हकीकत है। हाल ही में रेडिट पर ऐसा ही एक पोस्ट देखने को मिला जहां फुल-स्टैक AI इंजीनियर के पद के लिए इंटरव्यू दे रहे एक शख्स से अजीबोगरीब मांग की गई। रिपोर्ट्स के अनुसार इंटरव्यू दे रहे शख्स से आंखे बंद कर सवालों के जवाब देने के लिए कहा गया। कंपनियों को ऐसा इंटरव्यू के दौरान ऑनलाइन चैटबॉट्स के जरिए होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए करना पड़ रहा है। इसके लिए बकायदा ECQ या Eyes Closed Questions नाम का अलग राउंड तैयार किया गया है। इसमें सवालों का जवाब आंखे बंद करके दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जवाब AI चैटबॉट से पढ़कर नहीं दिया जा रहा है।

AI के दौर में कंपनियों को इंटरव्यू में ECQ जैसे अजीब राउंड शामिल करने पड़ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक मामला 0-3 साल के अनुभव वाले Full-Stack AI Engineer के प्री-स्क्रीनिंग राउंड का है। इस इंटरव्यू की गाइडलाइन का एक स्क्रीनशॉट सामने आया है, जिसमें मैंडेटरी टैग के साथ लिखा था कि इंटरव्यूअर को कम से कम एक सवाल आंखें बंद करवाकर पूछना होगा। इस दौरान उम्मीदवार को स्क्रीन-शेयरिंग बंद करके आंखें बंद रखनी थीं, ताकि बिना किसी AI या चैटबॉट की मदद के उसका स्वाभाविक ज्ञान और जवाब देने की क्षमता को परखा जा सके।

इंटरव्यू की इस अजीब शर्त को लेकर रेडिट पर डेवलपर्स और जॉब सीकर्स के बीच बहस छिड़ गई। दरअसल ज्यादातर लोगों का मानना है कि कंपनियां इंटरव्यू में AI चैटबॉट्स ऑनलाइन नोट्स और प्रॉम्प्ट्स की मदद से होने वाली चीटिंग को रोकने के लिए ऐसा कर रही हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि इससे इंटरव्यू देने वाले शख्स के बोलने के तरीके और आत्मविश्वास पर फर्क पड़ता है। यही वजह है कि कुछ लोग इसे ठीक तो कुछ बिल्कुल ही गलत बता रहे हैं।

**कंपनियों का क्या है मत:** रिपोर्ट के मुताबिक हायरिंग करने वाले एक यूजर ने बताया कि एक जॉब पोस्ट के लिए 4,800 एआई-जेनरेटेड रिज्यूमें मिले।

**अजब - गजब**

# फूलगोभी काटते ही निकल गया सांप का बच्चा, सावधानी की मिल रही सलाह

**सब्जी** खरीदकर घर लाने के बाद उसे काटते समय अगर उसके अंदर से सांप का बच्चा निकल आए तो किसी की भी हालत खराब हो सकती है। बिहार के औरंगाबाद में ऐसा ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक महिला घर में फूलगोभी काट रही थी। जैसे ही उसने गोभी को काटना शुरू किया, उसके अंदर से सांप का बच्चा बाहर निकल आया। अचानक सांप को देखते ही महिला के मुंह से चीख निकल गई। उसकी चीख सुनकर परिवार के दूसरे लोग भी वहां पहुंच गए।

परिवार के लोगों ने जब गोभी के अंदर देखा तो वे भी हैरान रह गए। गोभी की पत्तियों के बीच सांप का बच्चा छिपा हुआ था। कुछ ही देर पहले तक यह फूलगोभी आम सब्जी की तरह रसोई में रखी थी, लेकिन उसे काटते ही पूरा माहौल बदल गया। परिवार के लोगों ने सावधानी बरतते हुए सांप के बच्चे को अलग किया। घटना की जानकारी सामने आने के बाद आसपास के लोगों में भी इसकी चर्चा होने लगी। आम तौर पर फूलगोभी में छोटे कीड़े, इल्ली या दूसरे छोटे जीव मिलने की घटनाएं सामने आती हैं, लेकिन उसके अंदर सांप का बच्चा मिलना बेहद असामान्य माना जा रहा है। बरसात के मौसम में खेतों और सब्जियों में नमी बढ़ने के कारण कई तरह के छोटे जीव पत्तियों और सब्जियों के बीच छिप सकते हैं।

फूलगोभी की बनावट भी ऐसी होती है कि उसकी घनी पत्तियों और फूल के बीच कई छोटे जीव आसानी से छिप जाते हैं। खेत से सब्जी मंडी और फिर घर तक पहुंचने के दौरान भी इनके भीतर कोई जीव रह सकता है। हालांकि इस मामले में सांप का बच्चा फूलगोभी के अंदर किस तरह पहुंचा, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है। इस घटना के बाद लोगों को बरसात के मौसम में सब्जियां इस्तेमाल करने से पहले अच्छी तरह जांचने की सलाह दी जा रही है। खासकर फूलगोभी, पत्तागोभी और ऐसी सब्जियों को काटने से पहले उनकी बाहरी पत्तियां हटाकर अच्छी तरह पानी से धोना चाहिए। सब्जी को काटने के बाद भी उसके अंदर की परतों को ध्यान से देखना जरूरी है। घटना ने एक बार फिर यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि खेत से सीधे हमारी रसोई तक पहुंचने वाली सब्जियों की सफाई और जांच कितनी जरूरी है। आम तौर पर लोग सब्जी को केवल पानी से धोकर खाना पकाने की तैयारी कर लेते हैं। लेकिन बरसात में थोड़ी अतिरिक्त सावधानी किसी अनचाहे मेहमान से बचा सकती है।

## न्यूज विंडो

### लोगों ने बरसते पानी में तिरंगा यात्रा के लिए किया जनसंपर्क

**सिरोंज।** स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 11 अगस्त संदीपनी विद्यालय से आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर बीते दिन नपाध्यक्ष मनमोहन साहू एवं प्रशासनिक कर्मचारियों ने स्थानीय बस स्टैंड पर बरसते पानी के बीच जनसंपर्क किया। शासन के प्राप्त निर्देशों एवं विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के सप्ताह को धूमधाम से मनाए जाने को लेकर सक्रिय हुए तंत्र ने अपनी गतिविधियां बीते दिन हुई बैठक के बाद प्रारंभ कर दी है। नपा प्रशासन ने सुबह से खराब मौसम के बाबजूद दोपहर को नवीन बस स्टैंड पर पानी में भीगते हुए नागरिकों को आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल होने के लिए सामूहिक संपर्क किया। इस मौके पर जानकारी देते हुए पूर्व पार्षद सचिन शर्मा ने अनुरोध पूर्वक मुनादी करते हुए कहा कि 9 से 17 अगस्त तक सभी भारत के नागरिकों को अपने राष्ट्र ध्वज का सम्मान करते हुए अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं घरों पर तिरंगा ध्वज लहराना है इसके अलावा मंगलवार को सायं चार बजे से नगर के सांदीपनि विद्यालय से एक तिरंगा यात्रा प्रारंभ होगी जो नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई सुभाष नगर मंडी पथ से होते हुए बस स्टैंड पर समाप्त होगी। इस रैली में विधायक उमाकांत शर्मा सहित सभी जनप्रतिनिधिगण, स्कूल के बच्चे एवं नागरिकगम शामिल रहेंगे। उन्होंने समस्त नागरिकों से देश की आन बान शान के प्रतीक तिरंगा यात्रा में शामिल होने का अनुरोध किया। इस अवसर पर नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू, मनीष कुमार सहित नपा अमला शामिल था।

### कृष्णा इंटरप्राइजेस से गोवर्धन प्योर गाय का घी के सैंपल लेकर 36 जार किए जब्त

**सागर।** जिले में शुद्ध खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल द्वारा लगातार औचक निरीक्षण एवं जप्ती की कार्यवाही की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शीतल सिंह द्वारा मल्लापुरा, तुलसीनगर वार्ड स्थित कृष्णा इंटरप्राइजेस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान फर्म से गोवर्धन प्योर काऊ घी का खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत नमूना लिया गया तथा संदेह के आधार पर 500 ml के 36 जार (कुल 18 लीटर), अनुमानित कीमत 16,000 रुपए को जप्त कर सील किया गया। जब्त नमूनों को राज्य खाद्य प्रयोगशाला में जांच हेतु भेजा जा रहा है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि आमजनों के स्वास्थ्य एवं जीवन से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों के विरुद्ध जिले में यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा दोषियों पर अधिनियम के तहत कठोरतम कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

### जलभराव वाले मार्गों से विद्यार्थियों को सुरक्षित रखें, किसी भी स्थिति में जोखिम न लें

**नरसिंहपुर।** जिले में लगातार हो रही बारिश एवं जलभराव की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर रजनी सिंह द्वारा जारी दिशा निर्देश के परिपालन में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा ने विकासखंड शिक्षा अधिकारियों, विकासखंड स्रोत समन्वयकों तथा संबंधित विद्यालयों के प्राचार्य एवं संस्था प्रमुखों को विद्यार्थियों की सुरक्षा के संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। डीईओ ने कहा कि किसी भी स्थिति में विद्यार्थियों को जलभराव वाले मार्ग को पार करने की अनुमति न दी जाए। जलभराव वाले स्थानों से विद्यार्थियों की सुरक्षित दूरी बनाए रखना सुनिश्चित किया जाए तथा विद्यालय आने-जाने के दौरान पूरी सावधानी एवं सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि शिक्षकों, विद्यार्थियों, प्राचार्यों एवं प्रधानाध्यापकों का सुरक्षित आवागमन सर्वोच्च प्राथमिकता हो। किसी भी प्रकार का जोखिम लेने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी विद्यालय तक पहुंचने अथवा विद्यार्थियों के आवागमन में कठिनाई की स्थिति निर्मित होती है तो तत्काल संबंधित विकासखंड अधिकारी को सूचित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी परिस्थिति में जलभराव को पार करने का जोखिम न लिया जाए। जलभराव वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखते हुए विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। डीईओ डॉ. कुशवाहा ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रमुखों से अपील की है कि बारिश एवं जलभराव की परिस्थितियों में सतर्कता, सावधानी और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कदम उठाएं।

### मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के 'एक पेड़ शहीद के नाम' अभियान के तहत किया पौधरोपण

**गंजबासौदा।** देश की आजादी के अमर शहीदों की स्मृति और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मुस्लिम राष्ट्रीय मंच द्वारा 'एक पेड़ शहीद के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के अखिल भारतीय मार्गदर्शक गुरुदेव डॉ. इंद्रेश कुमार के दिशा-निर्देश पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम में गौ सेवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने काकोरी कांड के शहीदों को याद करते हुए कहा कि 9 अगस्त 1925 को हुए काकोरी कांड में हिंदू और मुस्लिम क्रांतिकारियों ने मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया। पंडित राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह का बलिदान देश की एकता और राष्ट्रभक्ति की मिसाल है। वरिष्ठ शिक्षाविद समीर याज्ञनिक, भागमल बमन्या एवं समाजसेवी चतर सिंह लोधी, फेरन सिंह लोधी ने भी स्वतंत्रता संग्राम के सेनानियों को याद किया। कार्यक्रम में महात्मा गांधी, भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, मौलाना अबुल कलाम आजाद, खान अब्दुल गफ्फार खान, महारानी अवंतीबाई लोधी, महारानी लक्ष्मीबाई और तात्या टोपे सहित अनेक सेनानियों को श्रद्धांजलि दी गई। मंच के सैयद शादाब अली ने कहा कि शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि यही है कि देश को हरा-भरा बनाने के साथ राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को मजबूत किया जाए। कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए गए।

### खिलचीपुर के पास एनएच-52 पर हुआ हादसा, पुलिस पड़ताल में जुटी

# मंदिर से लौट रहे परिवार को अनियंत्रित कंटेनर ने रौंदा, 4 साल के मासूम की मौत

**राजगढ़। दोपहर मेट्रो**

परिवार के लिए यह खुशियों भरी यात्रा थी, लेकिन एनएच-52 पर एक तेज रफ्तार कंटेनर ने सब कुछ उजाड़ दिया। खिलचीपुर के पास हुए भीषण सड़क हादसे में 4 वर्षीय मासूम की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के अनुसार, धुआंखेड़ा गांव निवासी अनार भिलाला अपनी पत्नी राजन बाई और चार वर्षीय बेटे रविराज के साथ बाइक से खिलचीपुर स्थित बिराजी महाराज मंदिर दर्शन करने आए थे। दर्शन के बाद तीनों मालीपुरा स्थित ससुराल जा रहे थे। खिलचीपुर से करीब 5 किलोमीटर दूर दोलाज गांव के पास राजस्थान की ओर से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने सामने से बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि राजन बाई सड़क पर दूर जा गिरीं, जबकि अनार और रविराज बाइक समेत कंटेनर के नीचे दब गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद भी कंटेनर चालक ने वाहन नहीं रोका। वह बाइक समेत पिता-पुत्र को करीब 100 फीट तक घसीटता ले गया। ग्रामीणों के शोर मचाने के बावजूद चालक नहीं रुका। कुछ दूरी पर कंटेनर सड़क किनारे फंस गया, जिसके बाद चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद अनार और रविराज को कंटेनर के नीचे से बाहर निकाला। 112 की सहायता से तीनों को खिलचीपुर सिविल अस्पताल पहुंचाया गया।

अस्पताल में सबसे गंभीर हालत रविराज की थी। हादसे के दौरान उसके श्वसन मार्ग में कीचड़ और गोबर चले जाने से सांस की नली अवरुद्ध हो गई थी। डॉ. ओशिन रेड्डी ने करीब 15 मिनट तक सीपीआर देकर और नली से गंदगी निकालकर बच्चे को बचाने का प्रयास किया, लेकिन सिर में गंभीर चोट और सांस रुकने के कारण उसकी मौत हो गई। हादसे में अनार भिलाला का एक पैर फ्रैक्चर हो गया और चेहरे पर गहरे घाव आए हैं। राजन बाई के हाथ, पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

अस्पताल प्रबंधन का आरोप है कि घायलों को रेफर करने के लिए 108 एंबुलेंस को तीन बार कॉल किया गया, लेकिन एंबुलेंस करीब 45 मिनट बाद पहुंची। बीएमओ डॉ. कमल दांगी ने कहा कि यदि समय पर एंबुलेंस मिल जाती और बच्चे को जल्द राजगढ़ रेफर किया जाता, तो संभव है उसकी जान बचाई जा सकती थी। खिलचीपुर थाना पुलिस ने कंटेनर जब्त कर लिया है। फरार चालक की तलाश के लिए आसपास के जिलों में नाकेबंदी की गई है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों और टोल प्लाजा के फुटेज भी खंगाल रही है।

### उपसरपंच महासंघ ने कल से आंदोलन का किया ऐलान

# पंचायतों में मनमानी और भ्रष्टाचार के लगाए आरोप

**शहडोल। दोपहर मेट्रो**

जिले की ग्राम पंचायतों में कथित मनमानी, भ्रष्टाचार और प्रशासन की उदासीनता के खिलाफ उपसरपंच महासंघ ने आंदोलन का ऐलान किया है। महासंघ 11 अगस्त से विरोध प्रदर्शन और धरना करने की बात कही है। रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में समिति के संचालक एवं उपसरपंच प्रभाकर कुमार तिवारी ने पंचायतों में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा जल्द इसमें ध्यान दिया जाए नहीं हम बड़ा आंदोलन करेंगे।

तिवारी ने कहा कि पंचायतों के विकास कार्यों में सभी पंचों को विश्वास में लेकर सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाना चाहिए, लेकिन कई पंचायतों में सरपंच और सचिव द्वारा कथित तौर पर मनमाने तरीके से कार्य कराए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद जिला पंचायत और प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है।

उन्होंने कहा कि कुछ पंचायतों में धरातल पर काम कराए बिना राशि निकालने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। इससे पंचायत प्रतिनिधियों में नाराजगी है। महासंघ ने पंचायतों के कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी की मांग की है।

प्रभाकर तिवारी ने सरपंचों के मानदेय का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि मानदेय बेहद कम होने के कारण दूरस्थ गांवों से पंचायत मुख्यालय तक आने-जाने में भी परेशानी होती है। इसके बावजूद पंचायत प्रतिनिधियों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। महासंघ ने चेतावनी दी है कि मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को आगे और तेज किया जाएगा। प्रेसवार्ता में उपसरपंच अब्दुल जब्बार, शिव कुमार जायसवाल, उमाशंकर सिंह समेत बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे।

### फंदे पर लटका मिला छात्र का शव

**झाबुआ। दोपहर मेट्रो**

आलीराजपुर जिले के चांदपुर स्थित सीनियर आदिवासी बालक छात्रावास में 11वीं कक्षा के छात्र धुमेश (पिता इगलसिंह कलेश) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से हड़कंप मच गया। रविवार शाम छात्र का शव छात्रावास परिसर में फंदे से लटका मिला। घटना के बाद छात्रावास समेत पूरे क्षेत्र में शोक और तनाव का माहौल है।

मृतक छात्र डूंगरगांव का निवासी था। परिजनों ने छात्र की मौत को हत्या बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। पुलिस को छात्र की जेब से एक चिट्ठी भी मिली है, जिसे जांच के लिए जब्त कर लिया गया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि चिट्ठी में क्या लिखा है और उसका घटना से कोई संबंध है या नहीं। घटना के बाद छात्रावास की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। साथी छात्रों का आरोप है कि घटना के समय वार्डन और चौकीदार दोनों ड्यूटी पर मौजूद नहीं थे। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। घटना की सूचना मिलते ही जोबट विधायक सेना पटेल चांदपुर छात्रावास पहुंचीं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कराने और छात्रावास में रह रहे करीब 50 अन्य विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी साक्ष्यों का सहारा ले रही है।

# किसान संगठन मध्यप्रदेश के अध्यक्ष बने यशवंत दुबे

**गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो**

किसान संगठन मध्यप्रदेश की दो दिवसीय बैठक महाराष्ट्र के नागपुर में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी कार्यों, विस्तार और किसानों से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान भारतीय संस्कृति एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संगठन को प्रत्येक ग्राम, बस्ती और मोहल्ले तक पहुंचाने तथा वहां किसान संगठन की टीम गठित करने का प्रस्ताव रखा गया। प्रस्ताव को उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में ? की ध्वनि के साथ पारित किया। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों और कार्य विस्तार की रूपरेखा भी तय की गई। संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के साथ किसानों को जैविक खेती, भारतीय कृषि परंपराओं और प्राकृतिक कृषि पद्धतियों से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक के दौरान यशवंत दुबे को किसान संगठन मध्यप्रदेश का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। संगठन के पदाधिकारियों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में किसान संगठन को प्रदेश के प्रत्येक गांव और किसान तक पहुंचाने का अभियान गति पकड़ेगा। बताया गया कि विगत दिनों भोपाल में हुए किसान आंदोलन की सफल रणनीति और गोपनीय कार्ययोजना तैयार करने में भी यशवंत दुबे की महत्वपूर्ण भूमिका रही थी। उनकी तैयार की गई कार्ययोजना के सफल क्रियान्वयन को संगठन में महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा गया। इसी के परिणामस्वरूप उन्हें किसान संगठन मध्यप्रदेश की प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष यशवंत दुबे ने संगठन के विस्तार के साथ किसानों के हितों, जैविक खेती और भारतीय कृषि संस्कृति को मजबूत करने की दिशा में कार्य करने की बात कही। बैठक में संगठन के आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी चर्चा की गई।

### विश्व आदिवासी दिवस रैली के दौरान छिंदवाड़ा में विवाद

# शराब दुकान में तोड़फोड़ का आरोप, जांच जारी

**छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो**

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बीते दिन छिंदवाड़ा शहर में निकाली गई रैली में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। रैली शांतिपूर्वक आगे बढ़ रही थी, लेकिन शहर के अलग-अलग हिस्सों में पांच से छह स्थानों पर विवाद और कहासुनी की घटनाएं सामने आईं। बस स्टैंड स्थित एक शराब दुकान में तोड़फोड़ किए जाने का भी आरोप लगा है। मामले में शराब ठेकेदार ने पुलिस से शिकायत की है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रैली के दौरान शहर के विभिन्न हिस्सों में युवाओं के बीच कहासुनी हुई। कुछ स्थानों पर माहौल तनावपूर्ण हो गया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित कर लिया।

रैली के दौरान कुछ लोगों द्वारा बस स्टैंड स्थित शराब दुकान में घुसकर तोड़फोड़ किए जाने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद शराब ठेकेदार ने थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी (टीआई) आशीष धुर्वे ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। साथ ही प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर घटना में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। रैली के दौरान शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में युवाओं के बीच कहासुनी होने की जानकारी सामने आई। कुछ स्थानों पर मामूली विवाद के कारण माहौल तनावपूर्ण हुआ, लेकिन पुलिस की मौजूदगी के चलते स्थिति बिगड़ने नहीं दी गई। पूरे रैली मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा और लगातार निगरानी करता रहा। जहां-जहां विवाद की सूचना मिली, वहां पुलिस ने तत्काल पहुंचकर हालात सामान्य किए।

#### शिकायत के आधार पर होगी कार्रवाई

पुलिस का कहना है कि शराब दुकान में तोड़फोड़ के मामले में शिकायत, सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। अधिकांश स्थानों पर कार्यक्रम शांतिपूर्ण रहा, लेकिन कुछ जगह विवाद और शराब दुकान में तोड़फोड़ के आरोप सामने आने के बाद पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच में जुटी है।

**मेट्रो एंकर** — टली बड़ी दुर्घटना: ट्रेन आने से पहले QRF जवानों ने दिखाया अदम्य साहस

# लोडेड ट्रक रेलवे ट्रैक पर हुआ बंद, जवानों ने धक्का देकर हटाया

**सागर। दोपहर मेट्रो**

मध्यप्रदेश पुलिस के जवानों ने अपनी तत्परता, साहस, टीम भावना और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए एक संभावित बड़ी रेल दुर्घटना को टाल दिया। 10वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, सागर की QRF कंपनी दमोह के बांदकपुर मंदिर में कानून-व्यवस्था ड्यूटी के लिए रवाना हो रही थी। इसी दौरान मकरोनिया-गुड़ा रेलवे फाटक के पास एक मालवाहक ट्रक अचानक रेलवे ट्रैक के बीच बंद हो गया। ट्रक पूरी तरह माल से लदा हुआ था और उसी समय रेलवे ट्रैक पर ट्रेन के आने की स्थिति बन रही थी। स्थिति की गंभीरता को भांपते ही जवानों ने एक पल भी गंवाए बिना तत्काल मोर्चा संभाला। चालक की परेशानी को समझते हुए जवानों ने ट्रक को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का प्रयास शुरू किया। भारी-भरकम और माल से लदे ट्रक को हटाना आसान नहीं था, लेकिन जवानों ने एकजुट होकर पूरी ताकत लगाई और ट्रक को धक्का देना शुरू किया।

जवानों के सामूहिक प्रयास और त्वरित कार्रवाई से ट्रक को रेलवे ट्रैक से हटाकर सुरक्षित दूरी तक पहुंचा दिया गया। ट्रेन के आने से पहले ट्रैक को सुरक्षित कर लिया गया, जिससे संभावित बड़ी दुर्घटना टल गई और किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद ट्रक चालक ने QRF जवानों के प्रति आभार व्यक्त किया। अचानक आई इस विपरीत परिस्थिति में बिना किसी औपचारिकता के मदद के लिए आगे आए जवानों की संवेदनशीलता से चालक भावुक हो गया। जवानों ने उसे ढांढस बंधाते हुए सुरक्षित रहने की बात कही। मकरोनिया-गुड़ा रेलवे फाटक पर QRF जवानों की यह त्वरित कार्रवाई मध्यप्रदेश पुलिस की उस सेवा भावना का जीवंत उदाहरण है, जिसमें कर्तव्य, साहस और मानवता सर्वोपरि है।

#### वरिष्ठ अधिकारियों ने की जवानों की हौसला-अफजाई

QRF जवानों द्वारा दिखाई गई असाधारण तत्परता, साहस, एकजुटता एवं मानवीय संवेदनशीलता की पुलिस अधीक्षक/सेनानी, 10वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल, अनुराग सुजानिया एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सराहना की गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने जवानों की हौसला-अफजाई करते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में बिना समय गंवाए सूझबूझ और साहस के साथ की गई कार्रवाई पुलिस की कर्तव्यनिष्ठा एवं सेवा भावना को प्रदर्शित करती है। समय पर लिया गया एक सही निर्णय, एकजुट होकर किया गया प्रयास और मानव जीवन के प्रति संवेदनशीलता—इसी ने आज एक बड़ी दुर्घटना को होने से रोक दिया।

## सावन का दूसरा सोमवार... 50 गांवों से पहुंचते हैं श्रद्धालु, 1100 वर्ष प्राचीन शिवधाम में गूंजता है हर-हर महादेव

# श्री श्री 1008 श्री शिव धाम खर्रा घाट में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

**तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो**

ब्लॉक की ग्राम पंचायत हरदुआ हाथीघाट में ब्यारमा नदी के तट पर स्थित श्री श्री 1008 श्री शिव धाम खर्रा घाट इन दिनों सावन माह में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। सावन सोमवार के अवसर पर यहां आसपास के करीब 50 गांवों सहित दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान शिव के दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे। सुबह से ही मंदिर परिसर में भक्तों की कतारें लगी रहीं और पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार खर्रा घाट स्थित शिवधाम लगभग 1100 वर्ष पुराना है। यहां भगवान शिव का प्राचीन स्वयंभू शिवलिंग विराजमान हैं, जिसे श्रद्धालु आस्था और विश्वास का केंद्र मानते हैं। सावन सोमवार के अवसर पर श्रद्धालु भगवान शिव का

जलाभिषेक, पूजन और आराधना कर परिवार की सुख-समृद्धि तथा मनोकामना पूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं।

सावन माह में यहां उमड़ने वाला जनसैलाब देखते ही बनता है। हालांकि खर्रा घाट में वर्षभर श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है, लेकिन सावन सोमवार, महाशिवरात्रि और बसंत पंचमी जैसे धार्मिक अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ जाती है। विशेष रूप से महाशिवरात्रि पर्व पर दूर-दराज क्षेत्रों से भक्त यहां पहुंचते हैं। वहीं मकर संक्रांति के अवसर पर ब्यारमा नदी के तट पर भव्य मेले का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण और श्रद्धालु शामिल होते हैं। खर्रा घाट की विशेषता केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। यहां का प्राकृतिक सौंदर्य भी लोगों को आकर्षित करता है। ब्यारमा नदी का शांत वातावरण, हरियाली और नदी तट का मनोहारी दृश्य श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति के साथ प्रकृति के करीब होने का अनुभव कराता है। धार्मिक यात्रा पर आने वाले लोग यहां कुछ समय प्राकृतिक वातावरण में भी बिताते हैं। खर्रा घाट की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता यहां स्थित उद्गम-संगम स्थल है, जिसे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की आस्था से जोड़कर देखा जाता है। नदी, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक वातावरण का यह संगम खर्रा घाट को अन्य धार्मिक स्थलों से अलग पहचान प्रदान करता है। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि सावन सोमवार के दिन खर्रा घाट पहुंचकर भगवान शिव के दर्शन करना और ब्यारमा नदी के पवित्र तट पर पूजा-अर्चना करना विशेष पुण्यदायी माना जाता है। इसी आस्था के चलते हर वर्ष सावन में यहां श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ती है और खर्रा घाट का पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में बदल जाता है।

## न्यूज विंडो

### महाकाल के दर्शन कर लौट रहे वड़ोदरा के छह युवकों की सड़क हादसे में मौत

**धार।** बदनावर तहसील के फोरलेन पर ग्राम पंचकवासा के पास रविवार दोपहर करीब 1 बजे एक भीषण सड़क हादसे में गुजरात के वडोदरा से आए 6 युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। सभी युवक उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर के दर्शन कर कार से गुजरात लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह हादसा हो गया। इस दुर्घटना में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में इलाज जारी है। सूचना मिलने पर कलेक्टनर राजीव रंजन मीणा, एसपी सचिन शर्मा मौके पर पहुंचे थे। प्रत्यक्षदर्शियों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर लोहे के सामान से भरा एक ट्रॉला रॉन्ग साइड से अनियंत्रित गति में उज्जैन की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही ईको वैन की ट्रॉले से आमने-सामने जबरदस्त भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयानक थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सभी 6 युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह, तहसीलदार सुरेश नागर और एसडीएम प्रियंका मिमरोद पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने मिलकर कार की खिड़की का कांच तोड़ा और कड़ी मशक्कत के बाद शवों व गंभीर रूप से घायल युवक को बाहर निकाला। घायल युवक को तत्काल एंबुलेंस की मदद से बदनावर सिविल अस्पताल भेजा गया। सभी मृतकों के शवों का पंचनामा बनाकर उन्हें सिविल अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है, जहाँ उनका पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त कर उनके परिजनों को गुजरात में हादसे की सूचना दे दी है। पुलिस ने अज्ञात फरार ट्रॉला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

### बालाघाट में सांप के काटने से बुजुर्ग महिला की मौत

**बालाघाट।** बालाघाट में सांप के डसने से बुजुर्ग महिला हुलकेशर नागेश्वर की मौत हो गई। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ा। वह कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गर्रा की रहने वाली थीं। महिला के बेटे धनेन्द्र नागेश्वर ने बताया कि यह घटना शनिवार देर रात साढ़े 12 बजे की है। परिवार के सदस्य सो रहे थे, तभी उनकी मां ने कमर में किसी जंतु के काटने की शिकायत की। शुरुआत में उन्हें लगा कि किसी कीड़े ने काटा होगा, लेकिन बाद में सांप दिखाई दिया। इसके बाद उन्हें तुरंत दोपहिया वाहन से जिला अस्पताल ले जाया गया।

### डिंडौरी में भारी बारिश के चलते प्रशासन ने किया स्कूलों में छुट्टी का ऐलान

**डिंडौरी।** जिले में लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए प्रशासन ने 10 अगस्त (सोमवार) को सभी स्कूलों में छुट्टी का ऐलान किया है। इसके साथ ही नदी के उफान पर आने से जबलपुर मार्ग का संपर्क टूट गया है और एक दर्दनाक हादसे में बच्चे की जान चली गई। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए 10 अगस्त को नर्सरी से कक्षा 12वीं तक के सभी सरकारी, प्राइवेट, सीबीएसई, नवोदय और केंद्रीय विद्यालयों में एक दिन की छुट्टी घोषित कर दी है।

### पंचवटी मंदिर में यादव महासभा की बैठक में जन्माष्टमी को लेकर की चर्चा

**तेंदूखेड़ा।** नगर के पंचवटी मंदिर में रविवार को यादव समाज की विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में जन्माष्टमी महापर्व के आयोजन को लेकर समाज के सदस्यों ने विस्तार से चर्चा की। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव जन्माष्टमी महापर्व इस वर्ष यादव समाज द्वारा आपसी एकता, भाईचारे और उत्साह के साथ भव्य एवं धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक के दौरान जन्माष्टमी आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। समाज के लोगों ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन समाज को प्रेम, सद्भाव, कर्म और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जन्माष्टमी का पर्व समाज की एकजुटता और धार्मिक भावना को मजबूत करने का महत्वपूर्ण अवसर है। बैठक में समाज की एकता बनाए रखने तथा सभी सदस्यों के सहयोग से धार्मिक आयोजन को भव्य स्वरूप देने पर भी सहमति बनी। बैठक में बलराम यादव, गिरिजाशंकर यादव, शोभाराम यादव, नारायण यादव, संतोष यादव, गोविंद यादव, नरेन्द्र यादव, नंदकिशोर यादव, लालसिंह यादव, कमलेश यादव, बुढ़ला कमलेश, लखन लाल यादव, राजकुमार यादव, आशीष यादव, हर्ष यादव, ओमकार यादव, सोनू गोप, शिवम यादव, महेन्द्र यादव भक्त प्रहलाद यादव, चेतराम यादव, कमल नारायण यादव, खिलाने यादव, महेश यादव, धनसीग यादव और जागेश्वर यादव सहित समाज के अन्य सदस्यों की भी बैठक में सहभागिता रही।

## चौबीस घंटे में तीन इंच से ज्यादा हुई बारिश, सड़कों पर जगह-जगह भरा पानी

# मेघ मेहरबान... दिनभर की बारिश से फसलों में लौटी रौनक, किसानों के खिल गए चेहरे

**सागर। दोपहर मेट्रो**

जिले के बीना में बीते दिन सुबह से शुरू हुआ बारिश का दौर रात तक रुक-रुककर जारी रहा। इस वर्ष मानसून आने के बाद पहली बार दिनभर लगातार बारिश हुई। चौबीस घंटे में तीन इंच से ज्यादा बारिश होने हुई। लंबे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे किसानों के लिए यह बारिश राहत लेकर आई है। सूखने की कगार पर पहुंच रहीं सोयाबीन और धान की फसलों को नई जिंदगी मिली है, जिससे किसानों के चेहरे पर खुशी लौट आई है।

पिछले करीब पंद्रह दिनों से पर्याप्त बारिश न होने से खेतों में खड़ी फसलों पर संकट मंडराने लगा था। तेज धूप और उमस के कारण सोयाबीन की फसल प्रभावित हो रही थी, जबकि धान की फसल को भी पर्याप्त पानी की आवश्यकता थी। बीते दिन हुई बारिश से खेतों में नमी बढ़ गई है और फसलों को राहत मिली है। किसानों का कहना है कि यदि आने वाले दिनों में भी इसी तरह बारिश होती रही, तो फसलों की स्थिति में और सुधार होगा। साथ ही कीटों का प्रकोप भी कम हो जाएगा। वहीं, पिछले कई दिनों से तेज धूप और उमस के कारण लोग परेशान थे, जिन्हें राहत मिली और मौसम खुशनुमा हो गया है।

### बारिश से सूखे जलस्रोत भी भरेंगे

लगातार बारिश का असर अब क्षेत्र के जलस्रोतों पर भी दिखाई देने की उम्मीद है। क्योंकि कम बारिश के कारण तालाब, कुएं और अन्य जलस्रोत नहीं भर पाए हैं। यदि लगातार बारिश होती है, तो जलस्तर बढ़ेगा। क्योंकि इस वर्ष पिछले वर्ष की अपेक्षा आधी बारिश हुई है।

### सड़कों, अंडरब्रिज में भरा पानी

बारिश का पानी शहर में कई जगहों पर सड़कों पर भर गया था, क्योंकि नालियों का पानी सड़क पर आ गया था। साथ ही सभी अंडरब्रिज में भी पानी भरा रहा, जिससे वाहन चालकों को निकलने में परेशानी हुई। वहीं, स्टेशन के बाहर परिसर में भी पानी जमा होने से यात्री परेशान होते रहे। जिस जगह पानी भरा था वहीं से यात्री स्टेशन में प्रवेश करते हैं और आटो भी उसी जगह पर खड़े किए जाते हैं। बारिश में हर बार यहां पानी जमा होता है, लेकिन फिर भी अधिकारी यहां निकासी की व्यवस्था नहीं करा पाए हैं।

## अनुज परिहार को मिली बजरंग दल में प्रांत बल उपासना प्रमुख की जिम्मेदारी

**नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो**

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल की दो दिवसीय प्रांत स्तरीय बैठक कटनी के दिवांचल मैरिज गार्डन में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के आगामी छह माह के कार्यक्रमों एवं विभिन्न संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही धर्मांतरण, लव जिहाद सहित सामाजिक एवं धार्मिक विषयों पर भी पदाधिकारियों ने विचार-विमर्श किया।

बैठक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक एवं विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय संगठन महामंत्री विनायक राव, केंद्रीय मंत्री अजय पारीक तथा क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजाराम भाईसाब का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस दौरान महाकौशल प्रांत मंत्री उमेश मिश्रा, प्रांत संगठन मंत्री जितेंद्र सहित क्षेत्र एवं प्रांत के पदाधिकारी तथा विभिन्न जिलों के अध्यक्ष एवं मंत्री उपस्थित रहे। बैठक के समापन सत्र में संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण दायित्वों की घोषणा की गई। इसी क्रम में नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव क्षेत्र के ग्राम बकौरी निवासी अनुज परिहार को विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल में प्रांत बल उपासना प्रमुख का दायित्व सौंपा गया। अनुज परिहार पूर्व में संगठन में विभिन्न जिम्मेदारियां निभा चुके हैं। वे सागर विभाग में संगठन मंत्री के दायित्व का निर्वहन भी कर चुके हैं। संगठन में उनके अनुभव और सक्रिय भूमिका को देखते हुए उन्हें अब प्रांत स्तर की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। नई जिम्मेदारी मिलने पर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अनुज परिहार को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि वे संगठन की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

## युवाओं ने रक्तदान कर दिया समाजसेवा का संदेश

**नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो**

भारतीय युवा कांग्रेस के स्थापना दिवस पर जिला युवा कांग्रेस द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय में बैठक कर स्थापना दिवस मनाया गया एवं रक्तदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत युवा कांग्रेस के ध्वज वंदन के साथ हुई, जिसके पश्चात युवा साथियों ने रक्तदान कर समाजसेवा का संदेश दिया। वरिष्ठ नेताओं ने युवा कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने, युवाओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने तथा जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का मार्गदर्शन दिया। इस दौरान जिला युवा कांग्रेस के अध्यक्ष विवेक पटेल ने युवा कांग्रेस के गठन और उसके बाद पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में पूर्व विधायक सुनील जायसवाल, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेंद्र राजपूत, डॉ. संजीव चाँदोरकर, विजय आज़ाद, अजय मालवीय, देवेंद्र शुक्ला, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मनीष साहू, ग्रामीण अध्यक्ष धनीराम पटेल, शहर अध्यक्ष रोहित पटेल, सेवादल जिला अध्यक्ष अतुल चौरसिया, जनपद उपाध्यक्ष कनछेदी पटेल, पार्षद अस्सु नेमा, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष विवेक पटेल, कांग्रेस प्रवक्ता अजय दुबे, आशीष गुप्ता , जिला उपाध्यक्ष शिवम राय, एनएसयूआई अध्यक्ष जिला अध्यक्ष ईशान राय, अंकुर बटरी, प्रियांक कहार, नरसिंहपुर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम ठाकुर, गाडरवारा विधानसभा अध्यक्ष शाश्वत राय, नगर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, सुनी केसरवानी, जिला महासचिव संजय मेहरा, गोलडी खान, पलाश पटेल, अंकित पटेल, अभिषेक गुप्ता , गिलु यादव एवं नंदगोपाल यादव सहित जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में युवा साथी उपस्थित रहे।

**मेट्रो एंकर** | प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं युवा समागम-2026

# 125 प्रतिभाओं का किया सम्मान, वक्ता बोले- अंक लाना और जीवन में सफल होना अलग, धैर्य-विनय से मिलती है असली पहचान

**नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो**

प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह एवं युवा समागम-2026 बीते दिन साईं कृष्णा हिल व्यू रिसॉर्ट में आयोजित हुआ। मध्यप्रदेश कड़ा माणिकपुरी जिझौतिया ब्राह्मण समाज और आपदा अक्षय कोष प्रबंधन समिति (मप्र/छग) के संयुक्त आयोजन में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 125 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के साथ युवाओं को रचनात्मक दिशा देना और सामाजिक एकता को मजबूत करना रहा। समारोह में इटारसी, सोहागपुर, पिपरिया, खंडवा, इंदौर, भोपाल, देवास सहित अन्य शहरों से बड़ी संख्या में समाजजन, युवा, मातृशक्ति और विद्यार्थी शामिल हुए। मुख्य अतिथि बीएचयू के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी ने कहा कि

सम्मान मिलने से प्रतिभाओं का आत्मविश्वास बढ़ता है और अन्य विद्यार्थियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि अंक लाना और जीवन में सफल होना दो अलग बातें हैं। जीवन में सफलता के लिए धैर्य, नेतृत्व क्षमता और विनय जरूरी हैं। अहंकार छोड़कर राष्ट्र, समाज और परिवार के हित में काम करना चाहिए। समारोह में जिला अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला, पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा, डॉ. विनय दुबे, हेमंत दुबे, राजीव दीवान, कैलाश दुबे सहित अन्य अतिथियों ने प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया। संयोजक रवि दुबे, अशोक दुबे, संतोष दीवान, संतोष दुबे, शैलेन्द्र दुबे, धर्मेंद्र दीवान,आलोक दीक्षित, संदीप तिवारी, रजत दुबे, सीमा दुबे और यश दुबे सहित समाजजन मौजूद रहे। पूर्व विधायक सविता दीवान शर्मा ने घोषणा की कि शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय तक सेवाएं देकर विद्यार्थियों का भविष्य संवारने वाले सेवानिवृत्त एवं 65 वर्ष से अधिक आयु के शिक्षकों का सम्मान किया जाएगा। शिक्षक सम्मान समारोह सितंबर में इटारसी में आयोजित होगा।

## बीसीसीआई ने बुलाई बैठक, 15 अगस्त से गॉल में पहला टेस्ट

# श्रीलंका टेस्ट से पहले टीम इंडिया पर चोटों का संकट, 13 खिलाड़ी फिटनेस की जद में

**मुंबई, एजेंसी**

भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले चोटों की समस्या से जूझ रही है। अभ्यास मैच के दौरान साई सुदर्शन के चोटिल होकर सीरीज से बाहर होने की खबर ने टीम मैनेजमेंट की चिंता बढ़ा दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पंड्या समेत करीब 13 खिलाड़ी इस समय चोट या फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे में टीम इंडिया में इस वक्त 'इंजरी इमरजेंसी' जैसी स्थिति दिखाई दे रही है।

श्रीलंका में 15 अगस्त से शुरू होने वाले पहले टेस्ट से पहले भारतीय बल्लेबाजों ने अभ्यास मैच में अपनी तैयारी का मजबूत संकेत दिया। मेजबान टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 363 रन बनाए।

इसके जवाब में भारत ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक 6 विकेट पर 357 रन बना लिए। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार शतक लगाया, जबकि कप्तान केएल राहुल ने 40 रन की पारी खेली। रविंद्र जडेजा ने भी 63 रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूती दी। भारत और श्रीलंका के बीच पहला टेस्ट 15 अगस्त से गॉल में खेला जाएगा। सीरीज से पहले भारतीय टीम की कोशिश खिलाड़ियों को पूरी तरह फिट रखने की है, लेकिन लगातार सामने आ रही चोटों ने टीम मैनेजमेंट की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

### सुदर्शन, बुमराह की फिटनेस पर नजर

साई सुदर्शन और जसप्रीत बुमराह को फिटनेस के आधार पर टीम के स्क्वाड में शामिल किया गया था। हालांकि, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की एक्सपर्ट टीम ने पूरी स्थिति को देखते हुए सावधानी बरतने का फैसला किया है। व्हाइट-बॉल स्पेशलिस्ट हार्दिक पंड्या क्वाड्रिसेप्स की समस्या से जूझ रहे हैं। वहीं वरुण चक्रवर्ती और प्रिंस यादव हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं। खिलाड़ियों की रिकवरी और उन्हें मैदान पर वापसी के लिए तैयार करना फिलहाल स्पोर्ट्स साइंस टीम के सामने बड़ी चुनौती है।

### सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम पर बढ़ा दबाव

टीम इंडिया में बढ़ती चोटों के बीच सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम पर भी काम का दबाव बढ़ गया है। दरअसल, 2025 की शुरुआत में नितिन पटेल के इस्तीफे के बाद से टीम में कोई हेड नहीं है। ऐसे में बड़ी संख्या में खिलाड़ियों की चोट और उनके रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया को संभालना चुनौतीपूर्ण हो गया है। टीम मैनेजमेंट और सीओई की विशेषज्ञ टीम का फोकस अब खिलाड़ियों को सुरक्षित तरीके से मैदान पर वापस लाने पर है।

### बीसीसीआई ने लिया स्थिति का जायजा लेने का फैसला

लगातार चोटों की समस्या को देखते हुए बीसीसीआई भी अब सक्रिय हो गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया रविवार को बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचेंगे, जहां वह क्रिकेट प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण के साथ खिलाड़ियों के रिहैबिलिटेशन और चोट से उबरने की प्रक्रिया की समीक्षा करेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि स्थिति का जायजा लेने के लिए सैकिया और लक्ष्मण के बीच बैठक तय है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर या चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर इस बैठक में ऑनलाइन शामिल होंगे या नहीं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से ठीक पहले चोटों की बढ़ती संख्या ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ा दी है। अब नजर इस बात पर होगी कि बीसीसीआई और सीओई मिलकर खिलाड़ियों की फिटनेस से जुड़ी इस चुनौती का किस तरह समाधान करते हैं।

## भुवनेश्वर कुमार ने कहा...

# ...मैं तो खेलता रहूंगा बाकी सेलेक्टर्स का जो भी हो फैसला

**नई दिल्ली, एजेंसी**

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लगातार शानदार गेंदबाजी करने वाले भुवनेश्वर कुमार की टीम इंडिया में वापसी की बातें उठ रही हैं। कई पूर्व क्रिकेटरों ने उन्हें वनडे वर्ल्ड कप के लिए काफी अहम बताया है। हालांकि, खुद भुवनेश्वर इस बात पर जोर नहीं दे रहे हैं। उनका कहना है कि खेलना उनका काम है जो वो कर रहे हैं बाकी सेलेक्टर्स के भरोसे है।

भुवनेश्वर अब यूपी टी20 लीग में नजर आएंगे। वह इस लीग में लखनऊ फाल्कंस का प्रतिनिधित्व करेंगे। भुवनेश्वर ने कहा है कि वह इस लीग में या कहीं और क्रिकेट इसलिए नहीं खेल रहे हैं क्योंकि वह सेलेक्टर्स को इम्प्रेस करना चाहते है बल्कि इसलिए खेल रहे हैं क्योंकि उनमें क्रिकेट का जुनून है।

भुवनेश्वर ने कहा, 'मैं यूपी टी20 लीग खेलने इसलिए नहीं आया हूं क्योंकि मुझे किसी टीम में सेलेक्ट होना है या आगे के स्तर पर खेलना है। मैं खेल रहा हूं क्योंकि मैं खेलना चाहता हूं। सीनियर और पूर्व खिलाड़ी जो कह रहे हैं वो उनके अपने विचार हैं। मेरे लिए, मुझे खेलना पसंद है और मैं क्रिकेट से प्यार करता हूं। मेरा काम सिर्फ खेलना है मैं इसलिए यूपी टी20 लीग में हूं।

उन्होंने कहा, 'मैं कितना तैयार हूं ये तय करना मेरे हाथ में नहीं है। बाकी सब कुछ सेलेक्टर्स का फैसला है।'

### आईपीएल में दिखाया कमाल

भारत के लिए साल 2022 में अपना आखिरी मैच खेलने वाले भुवनेश्वर लगातार आईपीएल में प्रभावित कर रहे हैं। वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के लिए खेलते हैं। इस टीम ने बीते दो सीजनों में लगातार दो खिताब जीते हैं और इसमें भुवनेश्वर की भूमिका बेहद अहम रही है। इसी के दम पर उनकी टीम इंडिया में वापसी की मांग उठ रही है। हालांकि, सेलेक्टर्स पर इसका कोई फर्क पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है।

# घुटने की चोट से यानिक सिनर टूर्नामेंट से हुए बाहर, अल्काराज भी नहीं खेलेंगे

**वॉशिंगट, एजेंसी**

मौजूदा विंबलडन चैंपियन और पांच बार के ग्रैंड स्लैम विजेता यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल ने रविवार को इसकी पुष्टि की। सिनर के बाहर होने के साथ ही टूर्नामेंट में टेनिस जगत के दो युवा सुपरस्टार सिनर और उनके चिर प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज नजर नहीं आएंगे। टूर्नामेंट के आधिकारिक हैंडल ने पोस्ट किया, 'यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। हमारे 2024 चैंपियन को शुभकामनाएं और अगले साल आपको फिर देखने का इंतजार रहेगा।

सिनर ने 2024 में सिनसिनाटी ओपन का खिताब अपने नाम किया था। फाइनल में उन्होंने फ्रांसिस टियाफो को 7-6 (7-4), 6-2 से हराकर ट्रॉफी जीती थी। सिनर के हटने से टूर्नामेंट को बड़ा झटका लगा है। सिनसिनाटी ओपन का आयोजन 13 से 23 अगस्त तक होना है, जबकि सत्र का आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन 30 अगस्त से 13 सितंबर तक खेला जाएगा।

### अल्काराज भी सिनसिनाटी ओपन से बाहर

सिनर से पहले उनके चिर प्रतिद्वंद्वी कार्लोस अल्काराज भी सिनसिनाटी ओपन से हट चुके हैं। सात बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन अल्काराज इस टूर्नामेंट में अपने पिछले साल के खिताब का बचाव नहीं कर पाएंगे। अल्काराज अप्रैल में बार्सिलोना ओपन के दौरान कलाई में चोट लगने के बाद से प्रतिस्पर्धी टेनिस से दूर हैं। चोट के कारण उन्हें फ्रेंच ओपन और विंबलडन से भी बाहर रहना पड़ा था।

# पैपराजी पर भड़कीं हार्दिक पंड्या की एक्स-वाइफ नताशा, बोलीं- लगातार तस्वीरों से हुई असहज

**मुंबई, एजेंसी**

भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या की एक्स-वाइफ और मॉडल नताशा स्टेनकोविक शनिवार रात मुंबई के जुहू इलाके में पैपराजी से परेशान नजर आईं। नताशा अपने करीबी दोस्त और मॉडल अलेक्जेंडर एलेक्स इलिक के साथ थीं। उन्हें देखते ही पैपराजी ने तस्वीरें लेने के लिए घेर लिया और लगातार कैमरे क्लिक करने लगे। लगातार तस्वीरें लिए जाने और प्राइवेसी में दखल से नताशा असहज हो गईं और उन्होंने नाराजगी जाहिर की। इस दौरान अलेक्जेंडर ने उन्हें भीड़ से बाहर निकलने में मदद की।

नताशा और हार्दिक ने मई 2020 में शादी की थी। उसी साल 30 जुलाई को उनके बेटे अगस्त्य का जन्म हुआ। दोनों वर्ष 2024 में अलग हो गए। खबर के मुताबिक, हार्दिक इन दिनों माहिका शर्मा को डेट कर रहे हैं। इसी बीच फरवरी में हार्दिक द्वारा बेटे अगस्त्य को लग्जरी लैंड रोवर डिफेंडर गिफ्ट किए जाने की खबर भी सामने आई थी। इसकी कीमत करीब चार करोड़ रुपये बताई गई थी। कार की डिलीवरी से जुड़े फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे।

पैपराजी से हार्दिक की नाराजगी का मामला भी पहले सामने आ चुका है। दिसंबर 2025 में उन्होंने माहिका शर्मा की तस्वीरें गलत एंगल से क्लिक किए जाने पर सोशल मीडिया के जरिए नाराजगी जताई थी।

### जुहू में कैमरों से घिरीं नताशा स्टेनकोविक

मुंबई के जुहू इलाके में शनिवार रात नताशा स्टेनकोविक अपने दोस्त अलेक्जेंडर एलेक्स इलिक के साथ नजर आईं। दोनों को देखते ही पैपराजी ने उनकी तस्वीरें लेना शुरू कर दिया। लगातार कैमरे क्लिक किए जाने से नताशा असहज नजर आईं और उन्होंने पैपराजी पर नाराजगी जाहिर की। इस दौरान अलेक्जेंडर उनके साथ रहे और भीड़ से निकलने में मदद की। घटना के बाद नताशा की प्राइवेसी को लेकर प्रतिक्रिया चर्चा में आ गई। नताशा और हार्दिक पंड्या वर्ष 2024 में अलग हो चुके हैं। दोनों का एक बेटा अगस्त्य है। नताशा और हार्दिक की शादी मई 2020 में हुई थी। कुछ समय बाद दोनों ने अपने रिश्ते को लेकर अलग होने की जानकारी साझा की थी।

**मनोरंजन** **बॉलीवुड का कोना**

# 'द डिप्लोमैट' के बाद फिर साथ आएंगे जॉन अब्राहम और शिवम नायर, नए एक्शन थ्रिलर की तैयारी

**मुंबई।** फिल्म 'द डिप्लोमैट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे।

रिपोर्ट्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कमर्शियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हीरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, शुरुआती बातचीत के दौरान ही जॉन अब्राहम को यह प्रोजेक्ट पसंद आ गया। पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉन इस कॉन्सेप्ट से बहुत प्रभावित हुए और तुरंत इसके लिए तैयार हो गए'। जॉन की इस फिल्म को लेकर खबर है कि मेकर्स इस साल के आखिर तक फिल्म की शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। आने वाले महीनों में प्रोडक्शन शेड्यूल तय होने की उम्मीद है। फिलहाल इस प्रोजेक्ट को 2027 के आखिर में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। मेकर्स की ओर से आधिकारिक एलान होने के बाद ही फिल्म के टाइटल, कास्ट और प्रोडक्शन के बारे में और जानकारी सामने आने की उम्मीद है। जॉन अब्राहम और शिवम नायर ने पहली बार फिल्म 'द डिप्लोमैट' में साथ काम किया था। यह फिल्म साल 2025 में रिलीज हुई थी। 2025 में आई यह फिल्म उज्मा अहमद की असल जिंदगी की कहानी और पाकिस्तान में बंधक बनाए जाने के बाद भारत लौटने की उनकी कोशिशों पर आधारित थी।

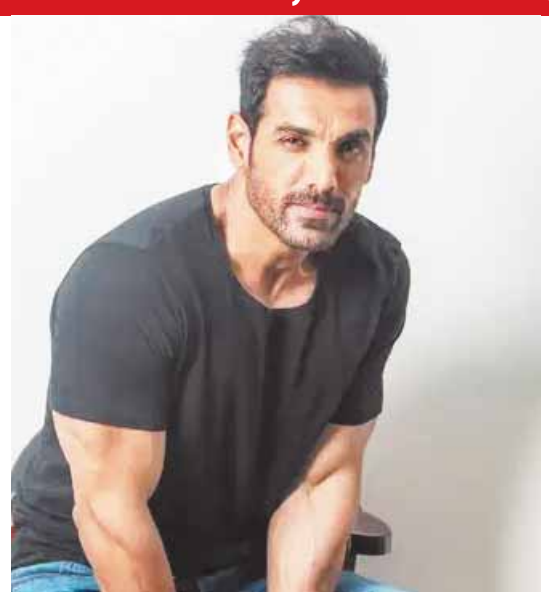

# शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार सपाट, सेंसेक्स 178 अंक चढ़ा, निफ्टी 24,600 के हुआ पार

**मेट्रो बाजार**

**मुंबई।** घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को शुरुआती कारोबार के दौरान हल्की तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सीमित बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बाजार को घरेलू मांग मजबूत रहने, कंपनियों के उम्मीद से बेहतर पहली तिमाही के नतीजों और विदेशी निवेशकों की खरीदारी से सहारा मिला। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में करीब एक फीसदी की तेजी से बाजार को कुछ दबाव भी झेलना पड़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 177.81 अंक यानी 0.22 फीसदी बढ़कर 78,676 अंक के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी करीब 50 अंक यानी 0.20 फीसदी की बढ़त के साथ 24,620 अंक के स्तर पर पहुंच गया।

सेक्टर के हिसाब से देखें तो सोमवार को निफ्टी फार्मा सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रमुख सूचकांकों में रहा और इसमें 0.72 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। इसके अलावा निफ्टी मिडस्मॉल हेल्थकेयर और निफ्टी500 हेल्थकेयर दोनों में 0.63 फीसदी की तेजी रही। आईटी शेयरों में भी खरीदारी देखने को मिली। निफ्टी मिडस्मॉल आईटी एंड टेलीकॉम 0.58 फीसदी और निफ्टी आईटी 0.53 फीसदी चढ़ा।

# रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ED की चार्जशीट 187 करोड़ रुपए डायवर्जन का आरोप

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी ग्रुप की प्रमुख कंपनी रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, उसके पूर्व डायरेक्टर सतीश सेठ और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत चार्जशीट दाखिल की है। यह कार्रवाई 8 अगस्त को नई दिल्ली की द्वारका जिला अदालत स्थित विशेष PMLA कोर्ट में की गई। श्वष्ठ ने कंपनी पर NHAI की चार सड़क परियोजनाओं के लिए मिले सार्वजनिक और वित्तीय संस्थानों के पैसों को कथित तौर पर सड़क निर्माण के बजाय अन्य जगह डायवर्ट करने का आरोप लगाया है।

जांच के अनुसार, इस मामले की शुरुआत मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) की 11 फरवरी 2026 को दर्ज FIR से हुई। ED का आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों और बैंक खातों के जरिए कई शेल कंपनियां बनाई गईं। इन कंपनियों के माध्यम से जाली इनवॉइस और अधिक कीमत पर हीरे आयात करने के बहाने पैसों की आवाजाही की गई और कथित तौर पर रकम विदेश भेजी गई।

### चार हाईवे प्रोजेक्ट्स से जुड़ा मामला

ED के मुताबिक, तिरुचि-करूर (NH-67), तिरुचि-डिंडीगुल (NH-45), सालेम-उलुंदूरपेट (NH-68) और जयपुर-रींगस (NH-11) परियोजनाओं के लिए NHAI अनुदान तथा बैंकों और वित्तीय संस्थानों से ऋण लिया गया था। जांच में सितंबर-अक्टूबर 2010 के दौरान करीब 187 करोड़ की रकम बैकडेटेड कॉन्ट्रैक्ट और कथित फर्जी सब-कॉन्ट्रैक्टिंग के जरिए कंपनी से बाहर निकालने का आरोप है।

# कृतिका कामरा का ड्रीमी वेकेशन, गौरव कपूर संग समंदर किनारे बिताए सुकून भरे पल

**मुंबई।** एक्ट्रेस कृतिका कामरा ने अपने सोशल मीडिया पर ड्रीमी वेकेशन का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया है। वीडियो में वह अपने पति, एक्टर, वीजे और भारतीय क्रिकेट प्रस्तोता गौरव कपूर के साथ ग्रीस में छुट्टियों का आनंद लेती नजर आ रही हैं। कपल ने इस ट्रिप के दौरान समुद्र किनारे सुकून भरे पल बिताए और खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठाया।

कृतिका कामरा और गौरव कपूर ने 11 मार्च 2026 को शादी की थी। शादी के बाद से दोनों अक्सर अपने खास पलों की झलक सोशल मीडिया के जरिए फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। अब कृतिका ने ग्रीस ट्रिप का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उनकी छुट्टियों की खूबसूरत यादें दिखाई दे रही हैं। कपल ग्रीस के वन एंड ओनली आइलैंड पर छुट्टियां बिताने पहुंचा था। वीडियो में दोनों समुद्र किनारे स्थित होटल में क्वालिटी टाइम बिताते दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा वीडियो में समुद्र की लहरों, सनसेट और आसपास की प्राकृतिक खूबसूरती के कई शानदार क्लिप्स भी शामिल हैं। पूरे वीडियो में शांत और सुकून भरे माहौल की झलक मिलती है। प्रीमियम होटल, समुद्र के खूबसूरत नजारे और सनसेट के बीच कृतिका और गौरव की यह ट्रिप बेहद खास नजर आ रही है। कृतिका के इस वीडियो ने उनके फैंस को भी उनकी ड्रीमी वेकेशन की झलक दे दी है।

# चीन में 'डॉल्फिन' तूफान से तबाही, 1300 फ्लाइट्स रद्द, 3 लाख लोग सुरक्षित जगह भेजे गए

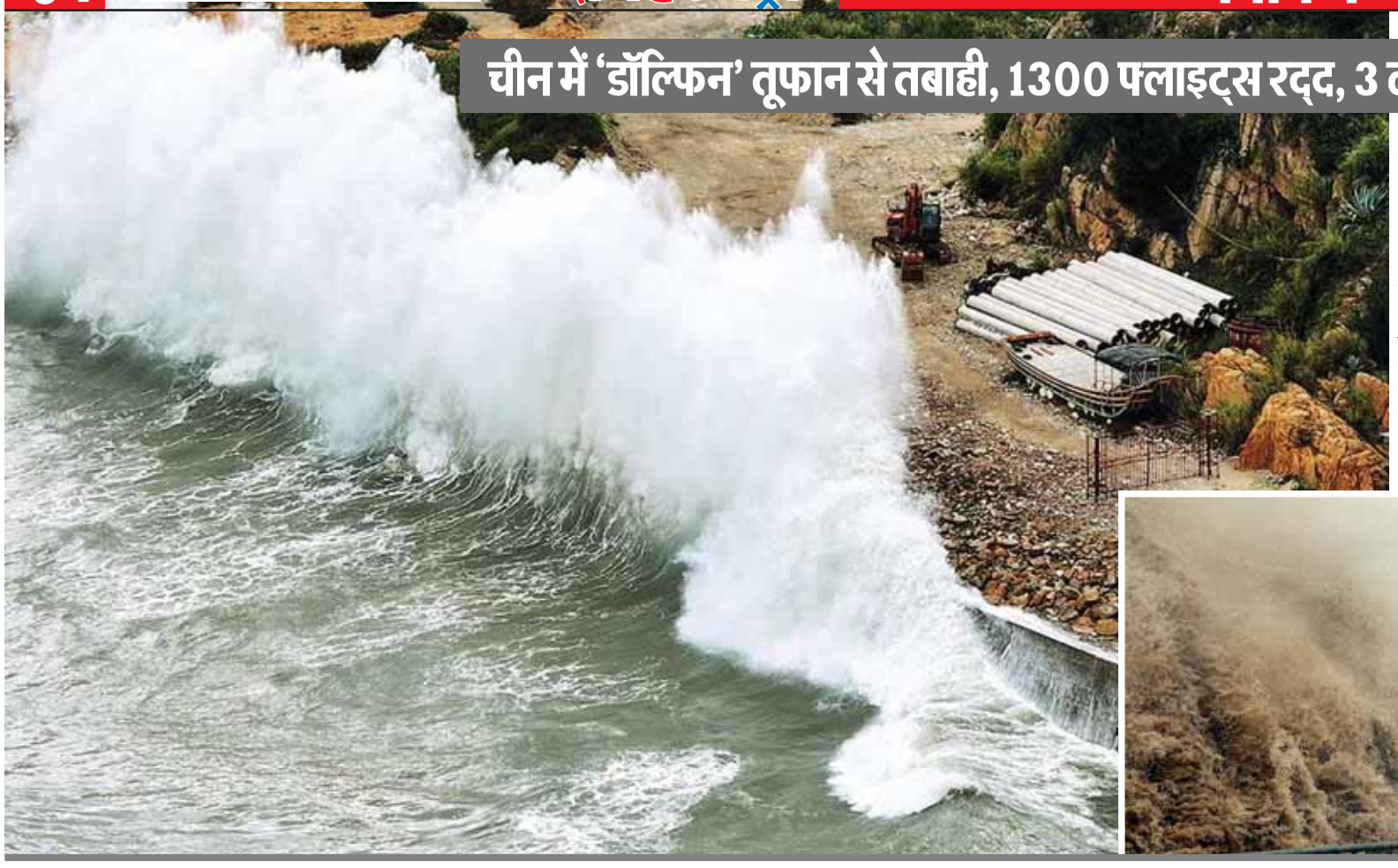

चीन के पूर्वी तट की तरफ बढ़ रहा तूफान डॉल्फिन अब असर दिखाने लगा है। झेजियांग प्रांत के हांगझोऊ में तेज बारिश हुई। तूफान के खतरे को देखते हुए शंघाई में करीब 1300 फ्लाइट्स रद्द कर दी गई हैं। बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित जगह भी भेजा जा रहा है। तूफान अब झेजियांग और उत्तरी फुजियान के तट से टकरा चुका है।तूफान के आने से पहले ही चीन के तटीय इलाकों में तैयारी शुरू हो गई है। हांगझोऊ के बाजारों में दुकानदारों ने टेंट की छतें हटानी शुरू कर दी हैं। खुले में रखी उन चीजों को भी हटाया जा रहा है, जो तेज हवा में उड़कर नुकसान कर सकती हैं। प्रशासन ने लोगों से सावधान रहने को कहा है। तूफान डॉल्फिन के साथ तेज हवाएं चल रही हैं। इसकी हवा की रफ्तार करीब 162 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। चीन के तट के करीब आने पर तेज हवा और बारिश का असर और बढ़ सकता है। मौसम विभाग ने झेजियांग समेत कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट दिया है।कुछ जगहों पर 500 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है। इतनी ज्यादा बारिश से सड़कों और निचले इलाकों में पानी भर सकता है। बाढ़ का खतरा भी बढ़ सकता है। तूफान की वजह से शंघाई के हवाई सफर पर भी बड़ा असर पड़ा है। हांगकियाओ और पुडोंग एयरपोर्ट से करीब 1300 फ्लाइट्स रद्द की गई हैं।

## न्यूज विंडो

### राममंदिर: सीईओ की नियुक्ति के बाद ही होंगी नई नियुक्तियां व छंटनी

**अयोध्या।** राम मंदिर में अब श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की प्रतीक्षा होने लगी है। दो सितंबर को प्रस्तावित ट्रस्ट की बैठक में नए सीईओ की नियुक्ति की प्रबल संभावना है। इसी बैठक में ट्रस्ट को पूर्णकालिक महासचिव भी मिलेगा।यही कारण है कि अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन ट्रस्ट कर्मियों का आंतरिक स्थानांतरण करके और लगातार निगरानी बढ़ाकर मंदिर की विभिन्न व्यवस्थाओं का संचालन तो करा रहे हैं, लेकिन अभी किसी की नई नियुक्ति या छंटनी नहीं हुई है। हालांकि यह अवश्य है कि अंदरखाने पूर्व पदाधिकारियों के करीबियों व रिश्तेदारों को चिह्नित कर लिया गया है।

### उत्तराखंड में दो जगह कांपी धरती उत्तरकाशी में लगे 4.2 के झटके

**उत्तरकाशी/टिहरी।** उत्तराखंड के उत्तरकाशी और टिहरी गढ़वाल में सोमवार देर रात भूकंप के झटके महसूस किए गए। उत्तरकाशी में 4.2 तीव्रता का तेज झटका आया, जबकि टिहरी में 2.0 तीव्रता का हल्का भूकंप दर्ज हुआ। दोनों ही स्थानों पर जान-माल के किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं है।उत्तरकाशी में यमुना घाटी और गंगा घाटी सहित कई क्षेत्रों में भूकंप का तेज झटका महसूस किया गया। भूकंप का झटका इतना तेज था कि लोग तुरंत अपने घरों से बाहर आ गए। उन्होंने अपने आसपास के लोगों को फोन कर भूकंप के बारे में पूछा। जिला आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, यह झटका देर रात करीब 1:21 बजे आया। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसकी तीव्रता 4.2 बताई है। भूकंप का केंद्र उत्तरकाशी जिले में था। इसकी गहराई करीब 10 किलोमीटर दर्ज की गई। केंद्र बडकोट तहसील मुख्यालय के नजदीक राजगढ़ी के आसपास बताया जा रहा है।टिहरी गढ़वाल के कीर्तिनगर और घनसाली क्षेत्र में भी भूकंप महसूस किया गया। यह सोमवार तड़के आया और इसकी तीव्रता 2.0 थी।

### 20 साल पुराने पार्क पर कब्जा केस में आजम खान का नाम आया सामने

**प्रयागराज।** शहर के दरियाबाद मोहल्ले में पार्क की जमीन और उससे सटी 20 फीट चौड़ी सड़क पर कब्जा का मामला 20 वर्षों बाद फिर से चर्चा में आया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आदेश पर डीएम मनीष कुमार वर्मा ने एडीएम सिटी सत्यम कुमार मिश्र, प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के सचिव विनीत कुमार सिंह और डीसीपी सिटी मनीष शांडिल्य के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित की है।

यह मामला 2006 का है, जब प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार थी और आजम खान नगर विकास मंत्री थे। तीन दिन की सार्वजनिक छुट्टी 14, 15 और 18 अगस्त को थी, उसी दौरान माफिया अतीक अहमद के करीबियों ने पार्क की जमीन पर कब्जा करना शुरू किया था।स्थानीय निवासियों ने इसका विरोध किया और अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन आजम खान ने अधिकारियों को कार्रवाई करने से रोक दिया था।

**20 हजार जवान तैनात, हाईटेक सिस्टम से पैनी नजर**

# जंतर-मंतर हिंसा और ब्लास्ट के बाद अभेद्य हुई लाल किले की सुरक्षा

**नई दिल्ली, एजेंसी**

15 अगस्त से पहले राजधानी दिल्ली में लाल किला के आसपास सुरक्षा को मजबूत कर दिया गया है। हालांकि, इस बार लाल किला की सुरक्षा पिछली बार से ज्यादा हाईटेक है। इसकी वजह यह है कि हाल ही में दिल्ली के जंतर-मंतर पर हिंसा हुई और कुछ असामाजिक तत्वों ने सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए पुलिसकर्मियों पर भी हमला किया।वहीं, थोड़ा पीछे जाए तो बीते वर्ष 10 नवंबर को लाल किला के पास हुआ ब्लास्ट भी लोगों के जहन में आ जाएगा, जिसमें करीब 15 लोगों की जान गई थी। इन्हीं वजह से इस बार लाल किला के आसपास सुरक्षा ज्यादा मजबूत और नई तकनीक का इस्तेमाल कि जा रहा है।

लाल किला की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस, पैरामिलिट्री फोर्स, और दूसरी एजेंसियों के करीब 15,000 से 20,000 जवान तैनात किए जाएंगे। इनके अलावा क्विक रिस्पॉन्स टीम, स्नाइपर, हिट टीम और वॉचटावर के लोग भी खास जगहों पर तैनात रहेंगे।दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि जवानों की तैनाती के अलावा, सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन डिटेक्शन सिस्टम और चेहरे की पहचान तकनीक के जरिए आयोजन स्थल और उसके आसपास के इलाकों पर पैनी नजर रखी जाएगी। लाल किले और उसके आसपास 1000 से जयादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। साथ ही डेडिकेटेड कंट्रोल रूम 24 घंटे लाइव फीड की निगरानी करेंगे।

### सादे कपड़ों तैनात होंगे निगरानी दल

एक दूसरे अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा अभ्यासों, रात की गश्त और पैदल गश्त बढ़ाने के साथ-साथ, खासकर संवेदनशील इलाकों में जमीनी स्तर पर मौजूदगी बढ़ाने के लिए सादे कपड़ों वाले निगरानी दल भी तैनात किए जा रहे हैं। साथ ही साइबर टीमें भी सोशल मीडिया पर नजर रख रही हैं ताकि शांति बिगाड़ने वाली किसी भी ऑनलाइन गतिविधि या अफवाह फैलाने वालों को पहचाना जा सके और समय रहते उन पर कार्रवाई की जा सके।वहीं, दिल्ली पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार ने 16 अगस्त तक दिल्ली के आसमान में पैराग्लाइडर, हैंग-ग्लाइडर, यूएवी, ड्रोन, हाट एयर बैलून और अन्य रिमोट से संचालित विमानों जैसे उप-पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का आदेश जारी किया है। यह प्रतिबंध 2 अगस्त से लागू किया गया है।

# महाकाल का पंचामृत अभिषेक ओंकारेश्वर का महाश्रृंगार

**सावन के दूसरे सोमवार पर प्रदोष काल में विशेष आराधना**

**उज्जैन।** भगवान शिव को प्रिय सावन महीने के दूसरे सोमवार पर 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक महाकालेश्वर में भस्म आरती के लिए मंदिर के कपाट तड़के 2:30 बजे खोले गए। सभा मंडप में शिव के गण वीरभद्र के कान में स्वस्ति वाचन कर आज्ञा ली गई, फिर चांदी का पट खोलकर कर्पूर आरती की गई। नंदी हॉल में नंदी का स्नान, ध्यान और पूजन किया गया।

जल से भगवान महाकाल का अभिषेक करने के बाद दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन किया गया। रजत चंद्र, त्रिशूल, मुकुट और आभूषणों के साथ भांग, चंदन और ड्रायफ्रूट का श्रृंगार कर भस्म चढ़ाई गई। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ फूलों की माला धारण कराई गई। फल और मिठाई का भोग लगाया गया।वहीं, तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग का महाश्रृंगार करने के बाद महाभोग लगाया गया। जबलपुर में 33 किलोमीटर की संस्कार कावड़ यात्रा शुरू हो चुकी है।

आज सावन सोमवार के साथ प्रदोष का संयोग भी बना है। इसके चलते मध्य प्रदेश के शिवालयों में लगातार श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने पहुंच रहे हैं। उज्जैन में पिछले सोमवार को 6.13 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दर्शन किए थे।

### अतीक के बेटे के काफिले में गुंडई, टोल नहीं दिया, गाड़ी चढ़ाने की कोशिश, शुरू हुई जांच

**प्रयागराज।** माफिया अतीक अहमद के बेटे मोहम्मद उमर के काफिले की गाड़ियों के नवाबगंज टोल प्लाजा पर टोल टैक्स न देने का मामला सामने आया है। इसके बाद टोल प्लाजा के असिस्टेंट मैनेजर जयप्रकाश यादव ने नवाबगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। बीते 8 अगस्त को एनएच 19 पर स्थित नवाबगंज टोल प्लाजा पर लगे बैरियर पर कंप्यूटर ऑपरेटर अजीत और हेल्पर अंशुमन शुक्ला तैनात थे। इस दौरान 3:50 बजे टोल बूथ नंबर तीन पर उमर अहमद पुत्र अतीक अहमद को पुलिस अभिरक्षा में लखनऊ जेल से पुलिस एस्कॉर्ट में लाया जा रहा था।

इस दौरान सरकारी वाहनों के बाद कई वाहन पीछे साथ में गुजरे, जिसमें सफेद महिंद्रा एक्सयूवी , ब्लैक रंग की क्रेटा और उसके पीछे चल रही 25 से 30 वाहनों ने बगैर टोल दिए तेज रफ्तार टोल प्लाजा बूम बैरियर को तोड़कर निकलने लगे। टोल कर्मियों ने रोकने की कोशिश की गई तो वाहनों द्वारा टोलकर्मियों को गालियां और करने की धमकी दी गई। टोल कर्मियों पर वहां चढ़ाने का भी प्रयास किया गया जिसे उन्होंने पीछे हटकर अपनी जान बचाई।

# कांवड़ यात्रा के चलते दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भीषण जाम, वाहन चालकों को हो रही परेशानी

**गाजियाबाद।** गाजियाबाद में कांवड़ियों का आगमन बढ़ते ही सड़कों पर लंबा जाम लगने लगा है। सावन के दूसरे सोमवार की सुबह से ही गाजियाबाद की प्रमुख सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। वाहन चालाकों को सबसे ज्यादा परेशानी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे आई। यहां गाजियाबाद से नोएडा रूट पर वाहनों की गति धीमी रही। जल लेकर कांवड़ियों की वापसी होने के संग पूरी लेन का ट्रैफिक थम सा गया। इस रास्ते पर कई किमी तक वाहनों की कतार लगी दिखी।

उधर, गाजियाबाद में डाक कावड़ की आने की वजह से जीटी रोड पर अप्सरा

बॉर्डर से लेकर मोहन नगर तक और मेरठ तिराहा जाम है। इसके अलावा मेरठ रोड पर भी जाम की स्थिति है। 11 अगस्त को महाशिवरात्रि के अवसर पर शिवालयों में कांवड़ियों द्वारा गंगाजल चढ़ाया जाएगा। कंधे पर गंगाजल लिए शिवभक्त अपने-अपने गंतव्य और शिवालयों की ओर बढ़ रहे हैं। मार्ग में कांवड़ियों को कोई परेशानी न हो इसे देखते हुए कांवड़ मार्गों पर जगह-जगह सेवा शिविर लगाए गए हैं। इनमें शिवभक्तों के लिए भोजन, पानी, शरबत और विश्राम की व्यवस्था की गई है। बड़ी संख्या में युवा और स्वयंसेवक दिन-रात कांवड़ियों की सेवा में जुटे हैं।

हाईवे पर डाक कांवड़िए तेजी से अपने गंतव्य की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं सामान्य कांवड़ लेकर चल रहे शिवभक्त भजनों पर झूमते हुए अपनी यात्रा पूरी कर रहे हैं। कांवड़ियों की ऊर्जा और उत्साह राह से गुजरने वाले लोगों को भी आकर्षित कर रहा है।

**मेट्रो एंकर** 15 दिन में करीब 88 बार ठप हुई संसद की कार्यवाही, प्रश्नकाल-शून्यकाल भी नहीं हो सके

# संसद में चर्चा कम, हंगामा ज्यादा: राज्यसभा 46 तो लोकसभा 42 बार हुई स्थगित

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सरकार और विपक्ष के बीच बढ़ते टकराव का असर संसद के मानसून सत्र के कामकाज पर साफ दिखाई दे रहा है। सत्र की अब तक हुई 15 बैठकों में दोनों सदनों की कार्यवाही कुल 88 बार स्थगित हो चुकी है। राज्यसभा 46 बार और लोकसभा 42 बार स्थगित हुई। सामान्य तौर पर दोनों सदनों में प्रतिदिन 7 से 8 घंटे कामकाज की उम्मीद रहती है, लेकिन इस सत्र में औसतन करीब एक-एक घंटे ही काम हो सका। इससे संसद के कामकाज और महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

कामकाज के आंकड़े बताते हैं कि लोकसभा में इन 15 बैठकों के दौरान एक बार भी प्रश्नकाल और शून्यकाल नहीं हो पाया। प्रश्नकाल में सांसद सरकार से सीधे सवाल पूछते हैं, जबकि शून्यकाल में जरूरी और तत्काल सार्वजनिक मुद्दे उठाए जाते हैं। दोनों सदनों में कुल 10 विधेयक पारित हुए, लेकिन हंगामे के कारण विपक्ष की ओर से लाए गए स्थगन प्रस्तावों पर चर्चा नहीं हो सकी। यानी सदन में कानून बनाने का काम तो हुआ, लेकिन कई मुद्दों पर विस्तार से बहस का अवसर नहीं मिल सका। इससे सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच संसदीय कामकाज को लेकर आरोप-प्रत्यारोप और तेज हो गए हैं।

### नीट पेपर लीक पर चर्चा हुई तो फिर विवाद क्यों नहीं थमा?

नीट पेपर लीक का मुद्दा इस सत्र में सरकार और विपक्ष के बीच टकराव का बड़ा कारण रहा। दोनों सदनों में इस मामले पर करीब 20 घंटे चर्चा हुई। हालांकि, आरोप है कि चर्चा के दौरान गिने-चुने सांसदों को छोड़कर ज्यादातर वक्त सियासी आरोप और प्रत्यारोप में चला गया। सरकार का कहना है कि विपक्ष चर्चा से बच रहा है और सदन में हंगामा करना उसका एजेंडा बन गया है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने आरोप लगाया कि विपक्ष बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में विधेयकों पर सहमति देता है, लेकिन सदन में हंगामा करता है। वहीं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ सांसद धर्मेंद्र यादव ने सरकार को टकराव के लिए जिम्मेदार ठहराया और नीट पेपर लीक आंदोलन के दौरान हुई ज्यादतियों पर जवाब की मांग की।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 ( *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564